दैनिक
रेवांचल टाइम्स
निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

वर्ष 2 ■ अंक 195 ■ जबलपुर, गुरुवार 10 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये

गुजरात पुल हादसा : नौ की मौत

पीएम मोदी ने जताया दुख, सीएम ने दिए जांच के आदेश, मृतक को 2 लाख व घायल को 50 हजार की सहायता राशि

नई दिल्ली। गुजरात में गंभीरा पुल के ढह जाने के बाद बुधवार को वाहनों के महिसागर नदी में गिर जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि 9 शव बरामद कर लिए गए हैं और 6 लोगों को बचा लिया गया है। सीएम ने सुबह ही एक उच्च समिति को घटनास्थल पर भेजा और उन्होंने जल्द से जल्द रिपोर्ट मांगी है। इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए सीएम ने सड़क एवं भवन विभाग की एक टीम और अन्य टीमों को वहां जाकर ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गंभीरा पुल हादसे में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया और घटना की जाँच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आनंद और वडोदरा को जोड़ने वाले गंभीरा पुल के 23 स्पैन में से एक के ढहने से हुई त्रासदी दुखद है। मैं इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के लिए प्रार्थना करता हूँ। मैंने वडोदरा कलेक्टर से बात की है और उन्हें घायलों के तत्काल उपचार और प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय नगरपालिका और वडोदरा नगर निगम की दमकल टीम नावों और तैराकों के साथ दुर्घटनास्थल पर बचाव

और राहत कार्य में लगी हुई है, जबकि एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुँचकर बचाव अभियान में शामिल हो गई है। सड़क निर्माण विभाग को इस दुर्घटना की तत्काल जाँच करने के आदेश दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुजरात के वडोदरा जिले में एक पुल के ढहने से हुई जान-माल की हानि बेहद दुखद है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा कि गुजरात के वडोदरा जिले में एक पुल के ढहने से हुई जान-माल की हानि बेहद दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूँ। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएँगे।

वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में महागठबंधन का बिहार बंद

7 शहरों में ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम; ईसीऑफिस नहीं पहुंच सके राहुल-तेजस्वी

पटना। बिहार में बुधवार को महागठबंधन ने चुनाव आयोग के वोटर वेरिफिकेशन के विरोध में बंद का आह्वान किया। इस दौरान 7 शहरों में ट्रेनें रोकीं गईं और 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी विरोध में शामिल होने के लिए दिल्ली से पटना पहुंचे और यहां विरोध रैली में शामिल हुए। उनके साथ तेजस्वी यादव और श्क्ष्ढ प्रमुख मुकेश सहनी भी शामिल हुए। इनकम टैक्स चौराहे से राहुल गांधी, तेजस्वी यादव और दीपांकर भट्टाचार्य एक गाड़ी पर सवार होकर प्रदर्शन करते चुनाव आयोग के ऑफिस के लिए निकले। पुलिस ने सभी नेताओं को सचिवालय थाने के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। उन्हें यहां से आगे जाने की परमिशन नहीं दी गई। यहीं से कार्यकताओं को संबोधित करने के बाद सभी नेता लौट गए। यहां से चुनाव आयोग का ऑफिस करीब 150 मीटर दूर था।

7 जगह ट्रेनें रोकीं, 12 नेशनल हाईवे जाम किए

बिहार बंद के दौरान 12 नेशनल हाईवे जाम किए गए। समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, कटिहार, सुपौल, मधेपुरा, मोतिहारी, वैशाली, पटना और औरंगाबाद में लोग घंटों जाम में फंसे रहे। दरभंगा, भोजपुर, सुपौल, जहानाबाद, पटना, मुंगेर, अररिया रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों को रोका गया।

राहुल बोले- महाराष्ट्र की तरह बिहार चुनाव में चोरी की कोशिश

राहुल गांधी ने कहा, 'चुनाव आयोग मैं आपको साफ बोल रहा हूं। मैं बिहार और हिन्दुस्तान की जनता को स्पष्ट कह रहा हूं कि महाराष्ट्र का चुनाव चोरी किया गया था और वैसे ही बिहार को चुनाव चोरी करने की कोशिश की जा रही है। उन्हें पता है कि हमने महाराष्ट्र मॉडल समझ लिया इसलिए वे बिहार मॉडल लाए हैं। ये गरीबों की वोट छीनने का तरीका है।' 'ये बिहार है और बिहार की जनता ये नहीं होने देगी। हमारे लोग चुनाव आयोग से जाकर मिले। मैं नहीं जा पाया था। उन्होंने आकर गया इलेक्शन कमीशन बीजेपी और फ्र्र नेताओं की तरह बात कर रहे हैं।' 'वो भूल गए कि वो इखढ नेता नहीं हैं। मैं कहता हूं आपको जो करना है करिए, लेकिन बाद में कानून आप पर हावी होगा।'

राजस्थान के चूरू में वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश

पायलट और को-पायलट की मौत, शवों के टुकड़े मिले; गांव में बिखरा प्लेन का मलबा

चूरू। राजस्थान के चूरू में भारतीय वायु सेना का जगुआर फाइटर जेट क्रैश हो गया है। इस हादसे में विमान के पायलट और को-पायलट शहीद हो गए हैं। जिस जगह प्लेन क्रैश हुआ, वहां बड़े इलाके में फाइटर जेट का मलबा बिखरा पड़ा है। यह हादसा बुधवार (9 जुलाई) को दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर हुआ। चूरू एसपी जय यादव ने बताया- राजलदेसर थाना क्षेत्र के गांव भाणूदा में प्लेन क्रैश हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हुई है। मलबे के पास से बुरी तरह क्षत-विक्षत शव के टुकड़े मिले हैं। बताया जा रहा है कि हादसे से पहले तकनीकी कारणों से पायलट इजेक्ट नहीं कर पाए। पिछले 5 महीनों में देश भर में तीन जगुआर क्रैश हो चुके हैं।

सूरतगढ़ से उड़ा था ट्रेनी जगुआर जेट : सेना के सूत्रों के मुताबिक यह जगुआर फाइटर जेट

श्रीगंगानगर के पास सूरतगढ़ एयरबेस से उड़ा था। यह जेट टू सीटर था, ट्रेनिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है। स्थानीय लोगों के मुताबिक उन्होंने पहले विमान की गड़गड़ाहट सुनी, फिर जोरदार धमाके की आवाज आई। इसके बाद प्रशासन को घटना की जानकारी दी गई। घटना के ठोस कारणों का पता फिलहाल नहीं चला है। अधिकारियों ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। घटनास्थल पर सेना का एक हेलिकॉप्टर भी पहुंचा है, इस हेलिकॉप्टर को सड़क पर लैंड कराया गया।

अयोध्या में घर, वाराणसी में घाट डूबे

प्रयागराज में 4 मौतें; उत्तराखंड में बादल फटा, एमपी में नर्मदा में बाढ़

नई दिल्ली। यूपी में बुधवार को भारी बारिश जारी है। अयोध्या में घरों में पानी भर गया है। प्रयागराज में बारिश के पानी में डूबने से 4 बच्चों की मौत हो गई। वाराणसी में दशाश्वमेध घाट और अस्सी घाट तक पानी पहुंच गया है। इसके चलते गंगा आरती का स्थान बदला गया है। मध्य प्रदेश में नर्मदा उफान पर है। मंडला, डिंडौरी, श्योपुर, शहडोल, उमरिया जिले बाढ़ की चपेट में हैं। छतरपुर के बान सुजारा डैम के 12 गेट खोले गए, दमोह में सतधरू-साजली बांध के 3-3 गेट खोले गए। वहीं, जबलपुर में बरगी डैम के 17 गेट खोले गए हैं। महाराष्ट्र के नागपुर में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते न्यू नरसाला इलाके में घर और गाड़ियां पानी में डूब गईं। हालात को देखते हुए नागपुर नगर निगम ने राफ्ट (नाव) की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। उत्तराखंड में मानसून जमकर बरस रहा है। मंगलवार को चमोली जिले के नंदप्रयाग घाट के पास मुख गांव में बादल फटने से तबाही मच गई। रङ्म्क्रने बताया कि जनहानि की सूचना नहीं है। सर्च जारी है। अगले चार दिन राज्य के पांच जिलों में भारी बारिश की संभावना है।

क्या घुसपैठियों को मतदाता सूची में शामिल करना चाहता है विपक्ष?

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ विपक्ष के 'बिहार बंद' रैली पर भाजपा और जदयू ने पलटवार किया है। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने सवाल किया कि क्या विपक्ष घुसपैठियों और अन्य लोगों को मतदाता सूची में शामिल करना चाहता है? क्या यह सच नहीं है कि रोहिंग्याओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं? वे (विपक्ष) ऐसे अवैध मतदाताओं के आधार पर अपनी राजनीति चलाना चाहते हैं। उनका यह रवैया गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई.. या फिर यह किसी तरह का दबाव बनाने की कोशिश है। रविशंकर प्रसाद

बिहार बंद पर BJP-JDU का पलटवार

ने यह भी कहा कि बिहार में 7.9 करोड़ मतदाता हैं और 4 करोड़ मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा कर दिया है। जिनके नाम 2003 तक मतदाता सूची में थे, उन्हें दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं है। जेडी(यू) नेता नीरज कुमार ने कहा कि वे संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं और संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाते रहते हैं। उनके घटक दलों ने आपत्ति जताई थी कि पिछले चुनावों में विभिन्न मतदाताओं के नामों में दोहराव हुआ है। मृत लोगों के नाम सूची में थे। ऐसे में अगर नाम हटाने का प्रावधान है, तो वे इसे राजनीतिक एजेंडा क्यों बना रहे हैं?

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में महागठबंधन द्वारा आहूत राज्यव्यापी बंद के मद्देनजर विपक्षी दलों के कार्यकताओं के सड़कों पर उतरने से राज्य के कई हिस्सों में रेल और सड़क यातायात बुधवार को बाधित हो गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव और ह्यइंडियाह्न (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कई अन्य विपक्षी नेता पटना में निर्वाचन आयोग के कार्यालय तक मार्च का नेतृत्व किया।

नामीबिया पहुंचते ही खुद ढोल बजाने लगे मोदी, डांस-म्युजिक के साथ हुआ जोरदार स्वागत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में नामीबिया में ढोलक को जबरदस्त थाप देते नजर आए। नामाबिया पहुंचे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पारंपरिक तरीके से जोरदार स्वागत हुआ। नामाबिया संस्कृति इस दौरान तस्वीरों में साफ झलक रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस पारंपरिक डांस का हिस्सा लेते हुए ढोलकी बजाई। पीएम मोदी की ये तस्वीर सोशल मीडिया पर जमकर शेयर हो रही है। पारंपरिक डांस के साथ पीएम मोदी के भव्य स्वागत की तस्वीर बता रही है कि 27 साल के बाद जब भारत के प्रधानमंत्री जब पहली बार नामीबिया पहुंचे तो स्वागत कितनी जोरदार है। प्रधानमंत्री भी खुद को रोक नहीं पाए और वो खुद नामीबिया पारंपरिक ढोलक भी बजा दिया। नामीबिया के राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी करने वाले हैं। खास बात ये है कि प्रधानमंत्री मोदी की ये पहली और भारत के किसी प्रधानमंत्री की नामीबिया की तीसरी यात्रा है। प्रधानमंत्री नामीबिया के संस्थापक जनक एवं प्रथम राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. सैम नुजोमा को भी श्रद्धांजलि देंगे। उनके

नामीबिया की संसद को संबोधित करने की भी उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा नामीबिया के साथ भारत के बहुआयामी और गहरे ऐतिहासिक संबंधों को दशार्ती है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत नामीबिया के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाना चाहता है जो अफ्रीका में एक मूल्यवान और विश्वसनीय साझेदार है। पीएम मोदी नामीबिया की संसद को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से पहले नामीबिया में भारत के उच्चायुक्त राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि भारत अफ्रीकी देश से यूरेनियम आयात करने पर विचार कर रहा है और उन्होंने बताया कि नामीबिया में हाल ही में हुई तेल और गैस की खोज भी नई दिल्ली के लिए रुचि का क्षेत्र है। राहुल श्रीवास्तव ने जोर देकर कहा कि ग्लोबल साउथ में भारत का नेतृत्व सर्वमान्य है और उन्होंने अफ्रीका को भारत का मजबूत साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि ग्लोबल साउथ में भारत का नेतृत्व सर्वमान्य है और अफ्रीका इसमें भारत का एक बहुत मजबूत साझेदार है। प्रधानमंत्री ग्लोबल साउथ को समर्थन देने के प्रबल समर्थक हैं और इस संबंध में हम नामीबिया का समर्थन करते रहे हैं। नामीबिया ने जी20 की अध्यक्षता के दौरान भारत द्वारा आयोजित "वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ" शिखर सम्मेलनों में भाग लिया था। प्रधानमंत्री मोदी पाँच देशों की यात्रा पर हैं और नामीबिया उनका अंतिम पड़ाव है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पाँच देशों की यात्रा बुधवार को घाना से शुरू की। घाना से, प्रधानमंत्री मोदी त्रिनिदाद और टोबैगो गए और फिर अर्जेंटीना और ब्राजील गए।

सरपंच पर गंभीर आरोपः पीड़ित भाई-बहन के बोल जमीन छीन ली, समाज से बाहर करवा दिया

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। जिले के विकास खंड बीजाडांडी ग्राम पंचायत लालपुर के सरपंच कल्लू आर्मो व साथियों पर यहां के पोषक ग्राम खाम्ही के निवासी शारदा एवं ज्योति उइके दोनों भाई झ बहन द्वारा उनके परिवार को समाज बष्हिकृत कराने का आरोप लगाया गया है। और बताया गया कि उनके पिता ओमकार उइके को वन विभाग से मिली भूमि कक्ष क्रमांक झ 566 पर दूसरे का कब्जा करा दिया गया है, जिसकी शिकायत पिछले दिनों दोनों भाई झ बहन द्वारा कलेक्टर एवं एसपी कार्यालय में की गई है। शिकायत पत्र पर उल्लेख किया गया है कि पिता की जमीन पर सरपंच द्वारा 25 लाख रुपए की लागत से शासकीय तालाब निर्माण कराया जा रहा था। तब विरोध व शिकायत करने पर तालाब निर्माण का कार्य रोका गया तभी से सरपंच एवं

उनके समर्थक पीड़ित परिवार से दुर्भावना रखते हुए नाराज चल रहे हैं। और तालाब निर्माण का कार्य उक्त भूमि के पास दूसरे स्थान पर कराया जा रहा था। इस दौरान पीड़ित परिवार की जमीन में गेहूं एवं सब्जियों की फसल को मवेशियों से चरवा दिया गया साथ ही निर्माण कार्य के मटेरियल सप्लायर बीजाडांडी निवासी कमलेश यादव द्वारा भी फसल के ऊपर से परिवाहन किया गया जिससे फसल चौपट हो गई। जब इसका विरोध किया गया तब उस समय कहा गया था कि तालाब निर्माण के बाद क्षतिपूर्ति राशि दे दी जायेगी। जब राशि मांगी गई तो कह दिया गया, जो लगे सो कर लो अब कुछ नहीं मिलने

वाला और ऊपर से गुस्साएं सरपंच एवं उनके साथियों द्वारा उपजाऊ सिंचित भूमि पर दूसरे व्यंक्ति सोमरतन नरेती का कब्जा करवाते हुए पीड़ितो को समाज से बष्हिकृत कर दिया गया है। सरपंच की हिटलरशाही हुकूमत से त्रस्त पीड़ित परिवार न्याय पाने यहां झ वहां भटक रहा है। इस मामले में सामाजिक नेताओं को भी आगे आकर पीड़ितों की मदद करना चाहिए।

मंडला में स्थायी अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग पर संयुक्त कार्यवाही

एसडीएम एवं एसडीओपी के नेतृत्व में हटाया गया अतिक्रमण, वसूले गए जुमार्ने

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। नगर के प्रमुख व्यस्तम चौराहों रेड क्रॉस चौक, बड़ चौराहा, चिलमन चौक एवं उदय चौक झ पर सड़क पर फैले स्थायी अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग तथा यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले तत्वों के विरुद्ध एक संयुक्त कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम एवं एसडीओपी श्री पियूष मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस थाना कोतवाली, थाना यातायात, राजस्व विभाग तथा नगर पालिका की संयुक्त टीम द्वारा संपन्न की गई।

इस अभियान के दौरान सड़क पर अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों, ठेलों, सामग्री तथा अन्य स्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। यातायात पुलिस द्वारा 03 ऑटो चालकों से ?1500 तथा 07 मोटरसाइकिल चालकों से ?3500 सहित कुल ?5000 की चालानी कार्रवाई की गई। वहीं कोतवाली पुलिस द्वारा मार्ग में बाधा उत्पन्न करने एवं सार्वजनिक अव्यवस्था फैलाने वाले कुल 40 व्यक्तियों के विरुद्ध पुलिस एक्ट की धारा 34 के अंतर्गत कार्यवाही की गई। नगर पालिका द्वारा भी नगर पालिका अधिनियम के अंतर्गत 09 चालान काटे गए तथा ?2500 की जुमार्ना राशि वसूल की गई। इस संयुक्त कार्यवाही का उद्देश्य शहर में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखना, अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा आमजन को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण प्रदान करना रहा। प्रशासन द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि इस प्रकार की कार्यवाहियां भविष्य में भी नियमित रूप से जारी रहेंगी। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे सहयोग प्रदान करें, निर्धारित स्थानों पर ही वाहन पार्क करें तथा सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण करने से बचें।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग भोपाल ने लिया पांच मामलो में संज्ञान

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के माननीय अध्यक्ष(कार्यवाहक) श्री राजीव कुमार टंडन ने विगत दिवस के विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के ह्यपांच मामलों मेंह्व संज्ञान लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है ।जिसमे 2 मामले मण्डला जिले के हैं। आयोग ने संबंधितों से जवाब मांगा है। मण्डला - जिले के 2 मामले जो समाचार पत्रों मे प्रकाशित हुए थे जिसमें प्रथम दृष्टया मानव अधिकार का उल्लंघन है ऐसे मामले को संज्ञान मे लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है। इस बात की जानकारी कार्यालय म. प्र. मानव अधिकार आयोग-मित्र, शिकायत प्रकोष्ठ शाखा मण्डला से प्राप्त हुई है।

सफाई पर ध्यान नहीं, संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा

मंडला जिले के जिला अस्पताल के मेन गेट के पास बनी सड़क के किनारे कचरे का ढेर होने का मामला सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सड़क किनारे गंदगी के बीच से मरीजों, अस्पताल के स्टाफ को आना-जाना पड़ रहा है। इसी तरह रानी अवंती बाई वार्ड अंतर्गत एमएसए सोसायटी के पास मुख्य मार्ग किनारे कई तरह का कचरा फेंका जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को संक्रामक बीमारी होने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से यहां सफाई नहीं होने से गंदगी फैली हुई है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने सीएमओ, नगर पालिका मंडला से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन एक माह में मांगा है।

एसबीआई मंडला फर्जी भर्ती मामले का थाना कोतवाली मण्डला पुलिस ने किया खुलासा

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। जिले के भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) मंडला शाखा में फर्जी तरीके से भर्ती के एक गंभीर मामले का मंडला पुलिस ने खुलासा करते हुए एक महिला आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। दिनांक 12 मार्च 2024 को बैंक प्रबंधन द्वारा थाना कोतवाली मण्डला में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि एसबीआई मंडला में जूनियर असोसिएट के पद पर कार्यरत एक महिला कर्मचारी ने भर्ती प्रक्रिया में धोखाधड़ी कर नियुक्ति प्राप्त की है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया कि महिला कर्मचारी ने स्वयं परीक्षा नहीं दी थी, बल्कि उसके स्थान पर किसी अन्य महिला ने परीक्षा दी थी। इसी आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल गिरफ्तारी की गई थी। जांच के दौरान यह भी स्पष्ट हुआ कि उक्त महिला की भर्ती में उसके भाई नाहर सिंह मीना की सक्रिय भूमिका रही, जिसने उसके स्थान पर परीक्षा दिलवाने की व्यवस्था की थी। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के बावजूद, पुलिस के समक्ष यह चुनौती बनी रही कि भर्ती परीक्षा में आखिरकार महिला अभ्यर्थी के स्थान पर वास्तविक रूप से कौन बैठा था। किन्तु पुलिस की लगातार तकनीकी विश्लेषण, दस्तावेजों की जाँच एवं अन्य साक्ष्यों के गहन अध्ययन के उपरांत यह पुष्टि हुई कि परीक्षा हरियाणा के फरीदाबाद निवासी एक महिला द्वारा दी गई थी। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा दिल्ली जाकर उक्त महिला से पुछताछ की गई पुछताछ में उक्त भर्ती में कैंडिडेट के स्थान पर प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा के साथ साथ वेरिफिकेशन में भी शामिल होना स्वीकार किया गया। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर दिनांक 09 जुलाई 2025 को माननीय न्यायालय में पुलिस रिमांड हेतु प्रस्तुत किया गया है।

विद्यार्थी परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर संगोष्ठी वा विद्यार्थी के रक्तगट परीक्षण का हुआ आयोजन, किया पौधारोपण

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। भारत के भविष्य को गढ़ने में विद्यार्थी परिषद का 77 वर्षों में रहा महत्पूर्ण योगदान- संजय कुशराम विश्व का सबसे बड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का 77 वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। इतने लंबे समय तक अपने ध्येय पथ पर बने रहना और देश हित में कार्य करते रहने का अनुपम उदाहरण एबीवीपी ने प्रस्तुत किया है। एक छात्र संगठन की कल्पना जब लोगों के मन में आती है, तो एक छात्र संगठन से अपेक्षा केवल विद्यालय महाविद्यालय परिसर व अन्य शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर होती है, एबीवीपी ने एक छात्र संगठन होते हुए भी शिक्षा क्षेत्र के साथ समाज और देश हित में कई विषयों पर कार्य किया है। और नए आयाम स्थापित किए हैं ।विद्यार्थी परिषद ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर शासकीय आईटीआई मंडला में

संगोष्टी का आयोजन किया इसके साथ ही विद्यार्थियों के रक्तगट का परीक्षण किया वा सभी को रक्तदान के लिए जागरूक किया ।कार्यक्रम के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम ने कहा कि कि देश का सर्वांगीण विकास करने के लिए युवा शक्ति को स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करते हुए आगे आना होगा। स्वामी विवेकानंद के विचारों को युवाओं तक पहुंचाकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। विद्यार्थी परिषद छात्र शक्ति को राष्ट्र शक्ति के रूप में विकसित करता है। युवाओं के हृदय में राष्ट्रवाद का भाव जागृत करता है ।कार्यक्रम के अंत में पधारोपण किया गया, इस दौरान महाविद्यालय प्राचार्य आरएस वरकड़े, नगर विस्तार विशाल ओबेराय ,प्रांत कार्यसमिति सदस्य वागीश पटेल,प्रांत कार्यकारणी सदस्य व नगर मंत्री प्रिंस सिंह,जिला खेलो भारत प्रमुख शिवांग मार्को,आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभाविप के 77वें स्थापना दिवस पर वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मंडला जिले के नैनपुर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 77वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में नैनपुर थाना, एस सी/एस टी बालिका छात्रावास, शासकीय आई टी आई, शासकीय अस्पताल नैनपुर सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी संस्था के प्रमुख व विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ,विद्यार्थी समुदाय और समाज के जागरूक नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत उपरोक्त स्थानों में विभिन्न प्रकार के छायादार व औषधीय पौधे लगाए गए। उपस्थित वक्ताओं ने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हर व्यक्ति को पर्यावरण की रक्षा हेतु वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। परिषद के कार्यकताओं ने बताया कि ह्लविद्यार्थी परिषद केवल छात्र हितों के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता,

राष्ट्र निर्माण और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभाती रही है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषदः एक परिचय

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की स्थापना वर्ष 1949 में हुई थी। यह एक राष्ट्रवादी छात्र संगठन है जो युवाओं के बीच राष्ट्र के पुनर्निर्माण के साथ राष्ट्रीय चेतना, सामाजिक जागरूकता, और चरित्र निर्माण का संदेश फैलाता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिक्षा, संस्कृति, और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय है तथा विश्व का सबसे बड़े छात्र संगठन माना जाता है। इसके द्वारा समय-समय पर छात्र हितों की रक्षा, कैम्पस विकास, और सामाजिक सेवा के लिए अनेक आंदोलन एवं कार्यक्रम चलाए जाते हैं।

इस अवसर पर परिषद कार्यकताओं ने सभी के साथ यह संकल्प लिया कि वे न केवल पौधों का रोपण करेंगे, बल्कि उनकी देखभाल कर उन्हें बड़ा भी बनाएंगे। कार्यक्रम के अंत में देशहित और पर्यावरण रक्षण की भावना के साथ समापन किया गया।

देवगाँव नर्मदा- बुढनेर संगम तिराहा के विधुत ट्रांसफार्मर दे रहा दुर्घटना को आमंत्रण

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। मंडला जिले में ईयर अनेक गांव येसे है जहाँ खंभे तो है पर करेंट नही दोड़ रहा है और ग्रामीण अंचलों में तो बिजली की आंख मिचौली से लोग परेशान हो चुके है और मवई के अनेक ग्राम येसे है जिनमे लाइट नाम की चीज कभी कभी देखने को मिल जाती है और ग्रामीण अंचलों में अनेकों योजनों से ग्रामीणों को बिजली देनी है उसके लिए खंभे लगा दिए है पर उनमें तार लगाना भूल है है और उनका भुगतान लेना न्ही भूलते है ठेकेदार विभाग के जिम्मेदार से साठगाठ करके मनमानी करते नजर आ रहें है!

वही जानकारी के अनुसार जिले जनपद पंचायत मोहगाँव अर्तगत ग्राम पंचायत देवगाँव जो धार्मिक स्थल माना जाता है, बता दें कि मंडला- डिंडोरी सड़क मार्ग पर स्थित ग्राम देवगाँव संगम तिराहा पर विधुत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जो दुर्घटना को आंमत्रण दे रहा है, सड़क निर्माण कार्य से सड़क की ऊंचाई अधिक हो जाने से विधुत ट्रांसफार्मर सड़क से कुछ ही ऊंचाई पर हो गया है, जिससे खतरा बना हुआ है, ऐसा ही बारिश का मौसम चल रहा है, इस विधुत ट्रासफार्मर से कब घटना घटित हो जाये, हनुमान मंदिर के गेट से विधुत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है शाम सुबह भक्त गण पूजा पाठ करने आतें है, वही सबसे ज्यादा बच्चों का खतरा है क्योंकि सड़क से चंद ऊंचाई पर विधुत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, संबंधित विभाग के आलाधिकारिओं से अनुरोध है कि ऐसा कोई दुर्घटना घटित न हो सके, इसके पहले विधुत ट्रांसफार्मर को वहाँ से हटाया जाये या फिर किसी भी प्रकार से व्यवस्थित की जावे ताकि कोई भी दुर्घटना इस विधुत ट्रांसफार्मर से ना हो सके। क्योंकि छोटे छोटे बच्चे कब इस विधुत ट्रांसफार्मर के तारों के संपर्क में आ जाये कोई कह नही सकते। कृपया संबधित अधिकारी इसको अपने संज्ञान में ले लेवें।

बुधवार को शाम फिर हुई तेज बारिश शुरू, मंगलवार से हो रही थी रूक-रूककर बारिश, कश्मीरी नाले में बहे दो लोगों का नहीं लगा सुराग

हालोन डेम तक चलाया गया तलाशी अभियान

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट । जिले में बीते मंगलवार की दोपहर से रूक-रूककर हो रही बारिश का दौर, बुधवार की शाम से फिर शुरू हो गया है और आकाशीय गर्जना के साथ तेज बारिश शुरू हो गई। जिले में बीते 24 घंटे में 3 इंच बारिश हो चुकी है। मंगलवार को भीमगड़ बांध के डेम से पानी छोड़े जाने के चलते, जिले की वैनगंगा नदी उफान पर है, जागपुर घाट में नदी के किनारे पर बना शिवमंदिर डूब गया है, मंदिर का केवल गुंबद नजर आ रहा है, वही नदी में पानी का बहाव तेज होने से निर्माणाधीन पुलिया का काम भी बंद कर दिया गया है। दूसरी ओर 7 मई को कश्मीरी नाला में नहाने गए दो लोगों का तीसरा दिन भी पता नहीं चल सका। गड़ी थाना प्रभारी भूपेन्द्र पंद्रो ने बताया कि बुधवार को घटनास्थल से लगभग 6 किलोमीटर दूर, हालोन डेम तक तलाशी अभियान चलाया गया। जिससे भी बहे लोगों का कुछ पता नहीं चल सका है। शाम होने से तलाशी अभियान बंद कर दिया गया है, कल फिर तलाशी अभियान चलाया जाएगा।

दरअसल, विगत 7 जून को जब जिले में अतिवर्षा से नदी-नाले उफान पर थे, इसी दौरान कश्मीरा नाला में नहाने जाने की बात कहकर निकले,

बैहर तहसील के ग्राम अल्ड़ाना के 15 वर्षीय गीतेंद्र पिता दंगलसिंह धुर्वे एवं 30 वर्षीय दीपक पिता बैसाखु टेकाम का कुछ पता नहीं चल सका है, संभावना व्यक्त की जा रही है कि दोनो ही अतिवर्षा से नाला के तेज पानी के बहाव में बह गए। इन दोनों की तलाश में होमगॉर्ड एवं पुलिस के जवान लगे हुए है। आपदा प्रबंधन दल, होमगॉर्ड एवं पुलिस के जवानों द्वारा कश्मीरी नाला में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन इनका अब तक पता नही चला है।

जिले में बारिश के आंकड़े पर नजर डाले तो 1 जून से 9 जुलाई तक जिले में 545 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 222 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। बीते 24 घंटे के दौरान जिले में 82 मिलीमीटर वर्षा, लगभग 3 इंच से ज्यादा बारिश हुई है। जिसमें वारासिवनी तहसील में सबसे अधिक 858 मि.मी. एवं खैरलांजी तहसील में सबसे कम 225 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि बीते 24 घ्कटंगी तहसील में सबसे अधिक 213 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

अब तक जिले में हुई वर्षा

चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 09 जुलाई तक बालाघाट तहसील में 706 मिलीमीटर, वारासिवनी में 858 मिलीमीटर, बैहर में 697 मिलीमीटर, लांजी में 230 मिलीमीटर, कटंगी में 533 मिलीमीटर, किरनापुर में 520 मिलीमीटर, खैरलांजी में 225 मिलीमीटर, लालबर्रा में 672 मिलीमीटर, बिरसा में 403 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 664 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 486 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है।

हरियाली महोत्सव के रूप में मनाई जायेगी गुरूपूर्णिमा

आर्ट आँफ लिविंग म्यूजिकल इवेंट का होगा आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बालाघाट/आर्ट आँफ लिविंग संस्था बालाघाट प्रशिक्षक करण बिसेन ने समाचार पत्र को जानकारी देते हुऐ बताया कि आर्ट आँफ लिविंग संस्था द्वारा आज 10 जुलाई गुरूवार को गरू पूर्णिमा महोत्सव पूरे उत्साह और उल्लास के साथ सेवा-साधना-सत्संग के साथ मनाया जायेगा, इस कड़ी में बालाघाट आर्ट आँफ लिविंग संस्था द्वारा प्रात: 07 बजे से सर्वप्रथम योग विश्व विख्यात ''सुदर्शन क्रिया'' का आयोजन बीजेपी कार्यालय सभागार व श्री श्री सत्संग हाँल बूढ़ी दो स्थानों में किया गया है, जिसके पश्चात् सभी स्वयंसेवक 09:00 बजे से बालाघाट नगर के मोती तालाब उधान पहुँचकर नपा के सहयोग से विभिन्न प्रजाति के पौधे पूर्ण सुरक्षा के साथ लगायेंगे साथ ही शाम 07 बजे होटल शीतल पैलेस में आर्ट आफ लिविंग म्यूजिकल ईवेंट का होगा आयोजन। साथ ही उन पौधों के पालन-पोषण की जि़म्मेदारी लेकर पर्यावरण की सुरक्षा करने में अपना अमूल्य योगदान प्रदान कर लोगों को प्रेरित करने संकल्प लिया जायेगा। आर्ट आफ लिविंग म्यूजिकल ईवेंट का होगा आयोजन-रात्री 07 बजे से स्थानीय होटल शीतल पैलेस सभागार में आर्ट आफ लिविंग म्यूजिकल ईवेंट के माध्यम से सुप्रसिध्द गायक आदित्य तिवारी के द्वारा सुमधुर गानों व भजनों की प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी जैसे कि आसन और योग से तन की शुध्दी होती है, प्राणायाम से प्राण की शुध्दी, सुदर्शन क्रिया से भावनाओं की शुध्दी, ज्ञान से बुध्दी की शुध्दी, सेवा से कर्मों की शुध्दी, घी से अन्न की शुध्दी, दान से धन की शुध्दी उसी तरह ध्यान से आत्मा की शुध्दी और भजन व सत्संग से मन व चेतना की शुध्दी होती है गुरूपूर्णिमा पर्व यह ज्ञान व गुरूजनों के प्रति आभारी होने का पर्व है ।माँ हमारी पहली गुरू होती हैं और फिर विज्ञान से अध्यात्म तक, जन्म से म्रत्यु तक गुरू का हमारे जीवन में अत्यंत महत्व बना रहता है। हमें हर क्षेत्र में पारंगत होने के लिये गुरू की आवश्यकता पड़ती है। गुरू शरीर नहीं गुरू एक तत्व हैं,इसिलिये हमारी गुरू परम्परा में हुऐ सभी गुरूजनों के प्रति क्रतज्ञता व्यक्त करने के लिये हम गुरूपूर्णिमा का उत्सव मनाते हैं। गुरु एक दर्पण है।जीवन में मार्गदर्शन करने वाले गुरू ही होते हैं और इस बार गुरूपूर्णिमा पर महासत्संग का लाभ सभी को लेना चाहिये जिस पावन अवसर पर स्वयंसेवकों ने अधिक से अधिक लोगों को इस अवसर में होटल शीतल पैलेस पहुँचने की अपील की है।

पीजी कॉलेज के हॉस्टल एनसीसी को देने से नाराज छात्र, कहा कहां जाए

विधायक अनुभा ने कहा हम छात्रो के साथ, प्राचार्य ने कहा हम नहीं देंगे हॉस्टल

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जिले के अग्रणी महाविद्यालय पीएम श्री एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी स्नाकोत्तर महाविद्यालय के पॉलिटेक्निक के सामने स्थित बालक छात्रावास को एनसीसी कार्यालय के लिए प्रशासन के आबंटित करने से हॉस्टल छात्रो में नाराजगी देखी जा रही हैं। दरअसल, स्व. राजीव गांधी बालक छात्रावास में वर्षो पुराना है, जहां पीजी कॉलेज में अध्ययनरत छात्र रहते आ रहे है। जिसे प्रशासन के एनसीसी कार्यालय को देने प्रस्तावित करने पर छात्रो के साथ ही महाविद्यालय प्रबंधन, इसके विरोध में दिखाई दे रहा है। जहां बुधवार को हॉस्टल छात्रो ने विधायक अनुभा मुंजारे को ज्ञापन सौंपकर, छात्रावास को यथावत रखने की मांग की। वहीं महाविद्यालय प्राचार्य अशोक कुमार मरठे ने बताया कि, प्रशासनिक पत्र मिलने के बाद महाविद्यालय स्टॉप काउंसिल की बैठक में एकमतेन निर्णय लिया गया है कि कॉलेज के छात्रावास को किसी को नहीं दिया जाएगा। जिसके लिए हम सतत प्रशासन से पत्राचार कर रहे है और प्रयासरत है कि प्रशासन, कॉलेज छात्रावास को यथावत रहने दे और एनसीसी कार्यालय के अन्य भवन, उपलब्ध कराए। प्राचार्य अशोक कुमार मरठे ने बताया कि महाविद्यालय के पास, यह इकलौती संपत्ति है और चूंकि महाविद्यालय के प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज होने से कई कोर्स, शुरू होने है, जिसके चलते, महाविद्यालय भविष्य में हॉस्टल की जगह पर डेवलपमेंट कर, अन्य शैक्षणिक उपयोग करेगा। दूसरी ओर विधायक अनुभा मुंजारे ने भी शासकीय एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के छात्रावास को अब एनसीसी कार्यालय के लिये आंबटित किए जाने का विरोध किया हैं। विधायक ने, बगैर विश्वास में लिए प्रशासन के पीजी कालेज के छात्रावास को एनसीसी कार्यालय के लिए आबंटित किए जाने को आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होने कहा कि पीजी कालेज के छात्रावास में 20 से 25 गरीब विद्यार्थी वहां पर रहकर पड़ाई कर रहे है। ये ऐसे बच्चे है जो किराए से रहने में असमर्थ हैं और गरीब परिवार के होने से उन्होने कालेज के छात्रावास में रहकर पड़ना उचित समझा है। ऐसे गरीब परिवार के बच्चों के भविष्य के साथ प्रशासन खिलवाड़ कर रहा है। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि वह इस छात्रावास को एनसीसी कार्यालय हेतु आंबटित किये जाने का विरोध करती है। साथ ही प्रशासन को कहना चाहती है कि वह इस आंबटन को तत्काल रदद करे। अन्यथा आगामी समय में छात्रों के साथ बड़ा आंदोलन किया जाएगा। हॉस्टल में रह रहे छात्र भूपेन्द्र उईके ने बताया कि एनसीसी अधिकारी, छात्रावास आकर उन्हें कमरे खाली करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। वे बारिश के इस मौसम में कहां पर अपने लिये कमरा ढूंढेंगे और किराया उनका कौन वहन करेगा।

मामले में एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि तत्कालीन प्राचार्य ने भवन के उपयोग की सहमति दी थी। जिस सहमति के आधार पर ही छात्रावास भवन को एनसीसी कार्यालय के प्रस्तावित किया गया हैं।

अस्पताल से फार्मसिस्ट ने चुराए थे इंजेक्शन, पुलिस ने फार्मसिस्ट और साथी को किया गिरफ्तार, पीएससी में दवा स्टोर रूम का देखता था प्रभार

सीएचएमओ ने कहा पुलिस से शिकायत मिलने पर की जाएगी कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शासकीय जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर के दवा स्टोर रूम से फेक्टर-8 के 500 और 250 एमजी, इंजेक्शन चोरी करने वाला कोई और नहीं बल्कि जिले के मोहगांव प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का फार्मासिस्ट जैनिस टेकाम निकला। जिसने अपने साथी, गर्रा निवासी मनदीप टेकाम के साथ मिलकर, इंजेक्शन की चोरी की थी। पुलिस ने फार्मसिस्ट जैनिस टेकाम और उसके साथी मनदीप टेकाम को गिरफ्तार कर उनके पास से इंजेक्शन चोरी में उपयोग किए गए स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक एमपी 50 एमए 4380 और स्कूटी क्रमांक एमपी 66 सी 0893 को बरामद किया है।

पुलिस ने 24 घंटे के भीतर, शासकीय अस्पताल के ट्रामा सेंटर के दवा स्टोर रूम से चोरी किए गए मामले का खुलासा, बुधवार को सायंकाल 4 बजे कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेसवार्ता में किया।

सीएसपी वैशाली कराहलिया ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहगांव में फार्मसिस्ट और दवा स्टोर रूम प्रभारी होने के चलते, जैनिस का, अस्पताल में आना-जाना होता रहता था। इसी बीच, उसने ट्रामा सेंटर के स्टोर रूम चॉबी का एक पेपर में प्रेसर प्रिंटर लेकर नई चॉबी बनाई और अपने दोस्त के साथ चोरी की घटना को अंजाम दिया।

उन्होंने बताया कि ऑटो से इंजेक्शन को लेकर वह गर्रा गए, जहां सभी कार्टून को स्कॉर्पियो में रखकर वह लालबर्रा क्षेत्र के लबादा के आगे एक स्थान में छिपा दिए थे। मामले की शिकायत के बाद सीसीटीव्ही फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियो को गिरफ्तार कर उनके पास से तकरीबन 8 लाख 32 हजार रूपए कीमत के सभी चोरी किए गए इंजेक्शन के चार कार्टून को बरामद कर लिया गया है।

मामले में प्रेस से चर्चा करते हुए सीएसपी ने बताया कि अस्पताल के सिक्युरिटी गार्ड की लापरवाही सामने आई है। मामले में कोई गार्ड, तो इनसे नहीं मिला है, इसकी जांच की जा रही है। सीएसपी वैशालीसिंह कराहलिया ने बताया कि चूंकि मुख्य आरोपी जैनिस, फार्मसिस्ट था, जिससे उसे पता था कि वह इस इंजेक्शन को बाहर विक्रय कर अच्छा लाभ कमा सकता है, जिसके कारण, उसने, इस घटना को अंजाम दिया। आरोपी के शासकीय अस्पताल में फार्मसिस्ट होने पर सीएचएमओ डॉ. परेश उपलप ने कहा कि पुलिस से जानकारी मिलते ही कर्मचारी पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। इस पूरे मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश में आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के इंजेक्शन बरामद करने में थाना प्रभारी विजय राजपूत, उपनिरीक्षक नवीन पांडेय, एएसआई दिनेश पंचेश्वर, प्रआर गजेन्द्र माटे, शेख शहजाद, आरक्षक जय भगत सहित कोतवाली थाना स्टॉफ की भूमिका रही।

आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास में, विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 08 जुलाई को शासकीय संयुक्त आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास बालाघाट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीष शर्मा, द्वारा मध्यस्थता योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मध्यस्थता विवादों को निपटाने की सरल एवं निष्पक्ष प्रक्रिया है, मध्यस्थ दबाव रहित वातावरण में विभिन्न पक्षो के विवादों का निपटारा कराता है। कार्यक्रम में मध्यस्थता के लाभों के बारे में बताते हुए कहा गया कि विवादों का अविलम्ब एवं शीघ्र समाधान होता है, मध्यस्थता की प्रक्रिया पूर्णत: गोपनीय होती है, सामाजिक सद्भावना कायम रखने में सहायक होता है, साथ ही श्री शर्मा ने नि:षुल्क विधिक सहायता योजना एवं भारतीय संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य, पॉक्सों अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेद्य अधिनियम के संबंध में भी उपस्थित छात्रों को जानकारी दी गई।

शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती शीनी जैन द्वारा बच्चों को गुड टच बेड टच, किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई और न्यायालयीन प्रक्रिया से भी बच्चों को अवगत कराया गया। जिला विधिक सहायता अधिकारी जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति अपने अधिकरों और कर्त्तव्यों को समझता है अपने जीवन के प्रति जागरूक होता है और समाज में एक सक्रिय नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। शिक्षा न केवल व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है बल्कि समाज और राष्ट्र की उन्नति में भी अहम योगदान देती है। धुर्वे ने नशे के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी प्रदान की। शिविर के उपरांत छात्रावास परिसर में फलदार एवं छायादार पौधे भी लगाये गयें। इस अवसर पर छात्रावास का स्टॉफ एवं छात्रगण उपस्थित रहें।

जे फार्म सर्विस ऐप को बढ़ावा देने कृषि यंत्र विक्रेताओं की बैठक संपन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन और उप संचालक कृषि फूल सिंह मालवीय के मार्गदर्शन में 09 जुलाई को जे फार्म सर्विस ऐप क्रियान्वयन और संचालन के संबंध में उप संचालक कृषि कार्यालय बालाघाट में सभी कृषि यंत्र विक्रेताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप संचालक कृषि ने जिले के कृषि यंत्र विक्रेताओं को उन्नत कृषि यंत्र खरीदने आए कृषकों को उनके मोबाइल में जे फार्म सर्विस ऐप डाउनलोड करवाकर इसके पंजीयन, संचालन और क्रियान्वयन की प्रक्रिया को मोबाइल में करके बताया गया। कृषि यंत्र धारक किसान जे फार्म सर्विस ऐप में अपना पंजीयन कर उपलब्ध यंत्रों की जानकारी ऐप में देंगे। जिन किसानों को खेती में उपयोग के लिए जरूरत के अनुसार कृषि यंत्र की आवश्यकता है वे इस जे फार्म सर्विस ऐप के माध्यम से उस यंत्र को घर बैठे किराए पर लेकर उपयोग कर सकते हैं। कृषि यंत्र विक्रेताओं के द्वारा जिन भी किसानों को कृषि यंत्र विक्रय किया गया है वे उन किसानों से संपर्क कर, उनका पंजीयन जे फार्म सर्विस ऐप में कराने हेतु सहमति दी गई। इसके साथ ही उप संचालक कृषि ने सहायक कृषि यंत्री काशी राम कुलस्ते को विकासखंड स्तर पर भी जे फार्म सर्विस ऐप संचालन संबंधी बैठक आयोजित करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कृषि यंत्र विक्रेताओं द्वारा जिले में उन्नत कृषि यंत्रों के प्रदर्शन किसानों के खेतों में करने के लिए कहा गया और जहां भी वे प्रदर्शन करें वहां कृषि विभागीय अमला और किसानों की उपस्थिति में करें। जिससे अधिक से अधिक किसानों को नवाचार और उन्नत कृषि यंत्रों की तकनीकी की जानकारी मिल सके और किसान उसको अपनाने की ओर अग्रसर हो सकें। जिले में सुपर सीडर, बेलर, मल्चर जैसे उन्नत और आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभाग और कृषि यंत्र विक्रेताओं द्वारा नई पहल की जा रही है।

संपादकीय

सराजी अस्तित्व के लिए

बाढ़ की त्रासदी में फंसे हिमाचल में इस वक्त राहत की गलियां खोजी जा रही हैं। प्रदेश सरकार अपने संसाधनों के दायित्व में जुटी है, तो पिछली आपदा से गुजरे लम्हे फिर से सिसक उठे हैं। लांछन यह कि केंद्र बहुत देता है, मगर हकीकत यह कि पिछली राहत के तहत अनुमोदित 2006 करोड़ भी अभी जमीन पर खाली हाथ ही पहुंचे हैं। राहत राशि पर भी प्रदेश को अपने योगदान के पांच सौ करोड़ का इत्र छिडकना है, तो फिर कहानियों के समुद्र में जहाज चलाने के मायने क्या होंगे। खैर इन पैबंदों की लड़ाई में जख्म रिसते रहेंगे, तेरे आंगन में टूटे मेरे पांव चलते रहेंगे। कुछ क्षेत्र पूरे हुए भी तो इस कद्र कि निशानियां कब्र की हमारे घर तक पहुंच गईं। बबार्दी की दास्तान को पढ़ा जा सकता है, लेकिन लिखने के लिए भविष्य की योजना चाहिए। आश्चर्य यह कि आपदाओं ने बता दिया कि हमारे जीने के विकल्प और क्या हो सकते हैं। उदाहरण के लिए पिछली सरकार ने जिस रोपवे मार्ग से सराज घाटी को जोड़ा था, आज वही त्रासदी के बीच पूरी घाटी के लिए राहत का मरहम बना है। इसी दौरान बिजली महादेव को रज्जु मार्ग से जोड? का विद्रोह फिर गूंज उठा। हैरानी यह कि अब बादलों से जमीन को बचाने की जरूरत है, तो चलने के रास्ते या जुड? के वास्ते रज्जु मार्ग अपनाने होंगे। देश परिवहन के लिए महत्त्वाकांक्षी योजनाओं पर कार्य कर रहा है, जिसके तहत दुर्गम व पहाड़ी इलाकों के लिए रोपवे, केबल बसों व फनिक्युलर रेलवे के विकल्प सुझाए जा रहे हैं। बहरहाल मंडी के थुनाग, जंजैहली व अन्य कुछ गांवों को हुए भारी नुकसान का जायजा बताता है कि कहीं हमारे विकास का मॉडल भी त्रुटिपूर्ण है। हम विकास की रफ्तार में अतीत और भविष्य के बीच संतुलन व सेतु बनाने में असफल हुए हैं। गांव का कस्बा और कस्बे का शहर बनने की महत्त्वाकांक्षा समझी जा सकती है, लेकिन इस सबके बीच टीसीपी की शहरी विकास योजनाओं की मिट्टी क्यों पलीद हुई। हिमाचल की जनता किसी भी अनुमति की अनिवार्यता या योजना के खिलाफ है। जिस थुनाग का बाजार साढ़े तीन सौ दुकानों का निर्माण स्थल हो गया, वहां भविष्य की योजना किसने बनानी थी। हैरानी तो यह कि हम ढंग से शिमला की विकास योजना भी आज तक बना नहीं सके हैं। अब समय आ गया है कि हम चिन्हित करें कि कहां बस्ती, कहां बाजार और कहां जल निकासी होगी। वक्त यह भी मांग करता है कि पूरे प्रदेश का पुनर्गठन किया जाए। इसके लिए ग्रामीण और शहरी जमीनों की पूलिंग आवश्यक हो जाती है। आज अगर हिमाचली नदियों के किनारे या पहाड़ खोदकर बसने को मजबूर हैं तो इसलिए कि राज्य ने भूमि का प्रबंधन, बढ़ती आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं किया। सरकार खुद भी अपनी इमारतों का निर्माण कमजोर या खतरनाक भूमि पर इसलिए कर रही है, क्योंकि सही जमीन या तो बांटी जा चुकी है या वन विभाग की मिलकीयत बन चुकी है। ऐसे में सरकार को कुछ शहरों के बीच उपग्रह शहर या फोरलेन परियोजनाओं के साथ आधा दर्जन निवेश शहर विकसित करने चाहिएं। हिमाचल में नौतोड़ भूमि आबंटन तथा मुजारा कानून ने जमीन की क्षमता को न तो कृषि योग्य बनाया और न ही इसके सार्वजनिक चरित्र को सशक्त किया। ऐसे में बची खुची जमीन की पूलिंग करके इसकी अदला-बदली वन भूमि से भी होनी चाहिए। इससे भू-राजस्व के रिकार्ड बेहतर, जनता की मिलकीयत सुरक्षित तथा वन भूमि के पड़ाव में सुरक्षित आसरा मिलेगा। सराज में फौरी राहत के बाद पुनर्वास की एक विकास योजना, टीसीपी कानून के तहत बननी चाहिए, ताकि उचित मानदंडों के हिसाब से परिवेश से मैत्रीपूर्ण तथा सीमित विकास सुनिश्चित किया जा सके। पूरे प्रदेश को टीसीपी कानून के तहत लाकर कृषि, बागबानी, गांव, शहर, बस्ती और बाजार तक की विकास योजनाएं बनानी होंगी। बाढ़ से बचना है, तो हर हिमाचली को विकास नक्शों और आवश्यक करों के तहत आना ही पड़ेगा, वरना यहां तो छावनी क्षेत्रों से मुक्त होकर भी ये शहरी क्षेत्र, पंचायतों में शरीक होने लगे हैं।

जीएसटी की 12 प्रतिशत स्लेब में बदलाव से उद्योग और आमजन को मिलेगी राहत

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देष में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है।

वस्तु एवं सेवा कर यानी कि जीएसटी की चार स्लेबों में से दूसरी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जिस तरह की चचाएं आम हो रही है उससे मध्य व निम्न वर्ग में आशा का संचार होने लगा है। दरअसल समाज का मध्यम और निम्न वर्ग सबसे अधिक प्रभावित जीएसटी की 12 प्रतिशत वाली स्लेब से ही हो रहे हैं। इन वर्गों से जुडी वस्तुएं या सेवाओं पर लगने वाला कर सीधा सीधा इन्हें प्रभावित करता है। इसका कारण भी साफ है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी स्लेब में आती है। खाने-पीने की वस्तुओं के साथ ही जूते-चप्पल, कपड़े आदि भी इसी स्लेब में आते हैं। हांलाकि विशेषज्ञों के अनुसार 12 प्रतिशत की स्लेब पर निर्णय से सरकार पर 40 से 50 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का असर पड़ेगा पर यह भी माना जा रहा है कि बाजार में इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और मांग बढ़ने से काफी मात्रा में राजस्व पूर्ति हो सकेगी। वैसे भी फ्री बीज के नाम पर बहुत कुछ जा रहा है तो फिर यदि बड़ी आबादी को राहत और लोकहित में कोई निर्णय किया जाता है तो वह अधिक लाभकारी होता है। हालांकि इस निर्णय के भी बिहार सहित अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से जोड़कर राजनीतिक अर्थ निकाले जाएंगे पर इस तरह के निर्णयों पर राजनीति करना उचित नहीं कहा जा सकता। जानकारों के अनुसार जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में 12 प्रतिशत वाली स्लेब को या तो विलोपित करने पर विचार किया जा सकता है या फिर इसमें से आम उपभोग की वस्तुओं को पांच प्रतिशत की स्लेब के दायरें में लाया जा सकता है। 12 प्रतिशत की स्लेब को विलोपित किया जाता है तो इसके दायरें में आ रही वस्तुएं या सेवाएं 5 प्रतिशत की स्लेब दायरें में आने की अधिक संभावना हैं। यदि विलोपित भी नहीं की जाती है और आज की प्रचलित चार स्लेबों 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत में से सीधे आम उपभोग की वस्तुओं और सेवाओं को नीचे वाली

और शेष को अन्य स्लेबों में समायोजित किया जा सकता है। बढ़ती मंहगाई के कारण आम नागरिकों खासतौर से मध्य और निम्न मध्य वर्ग को राहत दिलाने के लिए इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देश में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है। अब तक जीएसटी काउंसिल की 57 बैठके हो चुकी है और इनमें अनवरत रुप से सुधार व बदलाव किया जाता रहा है। 12 प्रतिशत के बदलाव की चर्चा छेड़कर बैठक से पहले ही बहस छेड़ दी गई है। इसे सकारात्मक भी माना जाना चाहिए क्योंकि जीएसटी स्लेबों के निर्धारत में राज्यों की भी प्रमुख भूमिका होती है। जीएसटी काउंसिल में राज्यों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेते हैं और उसी में निर्णय किया जाता है। जीएसटी से संग्रहित होने वाली राशि राज्यों को भी मिलती है तो समूचे देश में एक वस्तु पर एक ही दर लगने से अदायगी राशि एक ही होती है। जीएसटी यानी कि एक राष्ट्र एक कर की अवधारणा अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री काल में सामने आई थी। डॉ. विजय केलकर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन हुआ। समान कर की बात तो सभी सरकारों द्वारा की जाती रही पर 1 जुलाई 2017 को यह व्यवस्था लागू हो सकी। हांलाकि आमनागरिकों की भारी मांग के बावजूद पेट्रोल-डीजल को अभी तक जीएसटी के दायरें में नहीं लाया जा सका है और इसका कारण भी बड़ा साफ है कि इसमें केन्द्र राज्यों की सभी सरकारों के हित जुड़े हुए हैं। पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ने और इस पर कितना कर लग रहा है इस पर तो पक्ष विपक्ष हल्ला तो बोल लेते हैं पर कभी जीएसटी के दायरें में लाने के सार्थक प्रयास नहीं कर पाये हैं।

समान कर प्रणाली की अवधारणा सबसे पहले फ्रांस में आई। 1954 में फ्रांस में जीन वेप्टिस्ट कालवर्ट जीएसटी की अवधारणा सामने लाये और इस समान कर प्रणाली की सकारात्मकता का ही परिणाम है कि दुनिया क 160 देशों में जीएसटी जैसी समान कर प्रणाली प्रचलन में है। हमारे देश में 12 प्रतिशत की स्लेब इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी कर दायरें में आती है। एक हजार रु. से अधिक के कपड़े जूते से लेकर घी, तेल, मक्खन, डेयरी उत्पाद, सब्जियां, फल, मेवे सहित खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, 20 लीटर पैक में पीने के पानी की बोतल, कॉटन हैण्ड बैग जूट का सामान, पत्थर और लकड़ी आदि की मूर्तियां, चश्मा, बच्चों की पेंसिल स्लेट, खेल का सामान, यहां तक कि क्लीन एनर्जी डिवाइस सहित बहुत सारी वस्तुएं इस दायरें में आती है। सीधी सी बात यह है कि यह वस्तुएं ऐशो-आराम की वस्तुएं तो है नहीं और कम से कम मध्यवर्गीय परिवार तो इन्हें खरीदता ही है तो निम्न वर्ग परिवार भी दूसरी कटौती या अपना पेट काटकर इन्हें खरिदता है। ऐसे में 12 प्रतिशत की स्लेब पर विचार निश्चित रुप से सकारात्मक संदेश देता है। बैसे भी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जो बहस छिड़ी है उसमें सकारात्मक पक्ष ही खुलकर सामने आया है और विशेषज्ञों ने इस स्लेब में किसी तरह के बदलाव को लेकर नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में 12 प्रतिशत की स्लेब में बदलाव करते हुए देश के बड़े वर्ग को राहत दी जाती है तो यह देश की अर्थ व्यवस्था को राहत देने वाला, एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने वाला और आम जन के हित का निर्णय होगा। क्योंकि इस स्लेब के अधिकांश उत्पाद एमएसएमई सेक्टर द्वारा ही तैयार किए जाते हैं और स्लेब में बदलाव होने से इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और इससे सेक्टर में ग्रोथ के साथ ही लोगों को राहत मिल सकेगी।

सनातन का चुनावी महाकुंभ

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में, कुछ दिन पहले, एक मंच सजा था, जिससे वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में फेंकने और शरिया लाओ की हुंकारें भरी गई थीं। एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया गया था। वह वैचारिक कम और राजनीतिक अधिक आयोजन था। अब उसी मैदान में भगवान परशुराम के जन्म-महोत्सव की आड़ में एक और मंच सजा है-सनातन महाकुंभ। इस पूरे कार्यक्रम के आयोजक पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे थे। यदि इस मंच से सनातन धर्म पर कुछ उपदेश दिए जाते, विचार रखे जाते और सनातनियों के लिए संदेश दिए जाते, तो आयोजन को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक माना जा सकता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य मुख्य अध्यक्ष थे और बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री मुख्य आकर्षण थे। हालांकि बाबा ने स्पष्ट कहा कि वह राजनीति के लिए नहीं, रामनीति के लिए आए हैं। जब भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा, तो बिहार उसका पहला हिंदू-राज्य होगा। बाबा ने आह्वान किया कि बिहार के पागलो! यह गांठ बांध लो कि हमें गजवा-ए-हिंद के स्थान पर भगवा-ए-हिंद देश बनाना है। हम सब हिंदू एक हैं। हिंदुओं को जातियों में मत बांटो। बाबा ने फिर यह साफ किया कि जिस-जिस पार्टी में हिंदू हैं, हम उन सभी पार्टियों के साथ हैं। बिहार में विधानसभा चुनाव के बाद बाबा पदयात्रा करेंगे। क्या बाबा बागेश्वर के कथनों और आह्वानों से स्पष्ट नहीं होता कि वह किस पार्टी के प्रचार के लिए आए थे? क्या धर्मगुरु का काम धर्म के नाम पर वोट मांगना ही रह गया है? जगद्गुरु रामभद्राचार्य बाबा बागेश्वर से बहुत आगे निकल गए। उन्होंने लालू यादव का नाम लिए बिना ही चारा घोटाले का उल्लेख किया। उन्हें भारत सरकार ने इसी वर्ष पद्मविभूषण से अलंकृत किया है। उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार भी मिला है। कथावाचकों को भी पद्म सम्मान मिलने लगा है, किसी ने यह टिप्पणी की होगी, तो जगद्गुरु ने पलटजवाब दिया-कमोबेश हम पशुओं का चारा नहीं खाते। रामभद्राचार्य ने भविष्यवाणी-सी की है कि इस बार राष्ट्र-विरोधियों, हिंदू-विरोधियों और राम-विरोधियों को सत्ता नहीं दी जाएगी। सत्ता उन्हें ही मिलेगी, जो हिंदुओं के लिए संघर्ष करेंगे, क्रांति करेंगे। रामभद्राचार्य ने लगभग हुंकार के अंदाज में यह भी कहा-जो सनातन को बांटना चाहेगा, वह स्वयं बंट जाएगा। जो काटना चाहेगा, वह स्वयं कट जाएगा। जो सनातन को मिटाना चाहेगा, वह स्वयं मिट जाएगा। हम राष्ट्र-विरोधियों का दमन करेंगे। क्या ये शब्द किसी साधु-संत के प्रतीत होते हैं? क्या ये शब्द उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान सरीखे समानार्थी नहीं हैं? जगद्गुरु विचारोत्तेजक लगे, आक्रोशित लगे। यह मुद्रा जगद्गुरु की नहीं हो सकती। भगवान परशुराम पर कुछ शब्द भी समर्पित नहीं किए गए। रामभद्राचार्य और धीरेंद्र शास्त्री के वक्तव्य राजनीतिक बिंदुओं के इर्द-गिर्द केंद्रित रहे। क्या धमार्चार्यों की भूमिका भी बिल्कुल राजनीतिक हो गई है? दोनों साधु-संत भाजपा के प्रमुख प्रचारक की भूमिका में प्रतीत हुए। लिहाजा स्पष्ट लगता है कि चुनाव हिंदू-मुसलमान ध्रुवीकरण के आधार पर लड़े जाएंगे। आयोजन में अनेक साधु-संत उपस्थित थे। मुस्लिम राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खां और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा भी मंच पर मौजूद थे। किसी भी वक्ता ने बिहार की गरीबी, अनपढ़ता, पिछड़ेपन, पलायन आदि बुनियादी समस्याओं पर एक भी शब्द नहीं बोला। आयोजन को महाकुंभ नाम देकर इस शब्द का अपमान किया गया। बिहार में जो जंगलराज 20 साल पहले था, कमोबेश वह आज भी मौजूद है। इसी साल अभी तक 116 कत्ल किए जा चुके हैं। बलात्कार, डकैती, फिरौती आदि अपराधों को तो भूल ही जाएं। तब मुख्यमंत्री लालू यादव या राबड़ी देवी होते थे, बीते 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। सरेआम हत्याएं आज क्यों हो रही हैं? साधु-संतों के सरोकार सामाजिक भी होते हैं। यदि उन्होंने ऐसे मुद्दे भी छुए होते, तो विचार व्यापक लगते। जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने जातीय गणना का भी विरोध किया।

राशिफल

मेष राशि :- कार्यकुशलता से समृद्धि के योग फलप्रद होंगे तथा रुके कार्य बनेंगे ध्यान दें।

वृष राशि :- कार्य तत्परता से लाभ एवं इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, कार्य पर ध्यान दें।

मिथुन राशि :- व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, कार्य कुशलता से संतोष होगा, बिगड़े कार्य बनेंगे।

कर्क राशि :- सोच समझकर कार्य करें, शांति विचार से लाभ होगा, धैर्य पूर्वक कार्य पर ध्यान दें।

सिंह राशि :- समय की विषमता से विशेष कार्य स्थगित रखें, लेन-देन के कार्य में हानि की संभावना।

कन्या राशि :- मानसिक विभ्रम बनेगा, किसी आरोप में फंस सकते हैं, कार्य अवरोध होगा।

तुला राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य बनेंगे, कार्य संतोषप्रद होगा।

वृश्चिक राशि :- कार्य कुशलता से संतोष होगा, योजनायें फलीभूत होंगी, विशेष कार्य स्थगित रखें।

धनु राशि :- सफलता के साधन जुटायें, धन लाभ, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा।

मकर राशि :- क्लेश व असमंजस की स्थिति रहेगी, धन लाभ, आशानुकूल सफलता से हर्ष होगा।

कुंभ राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होगा, स्त्री शरीर कष्ट, मित्र की चिन्ता से मन असमंजस में रहेगा।

मीन राशि :- इष्ट मित्र सहायक रहेगा, दैनिक कार्यगति अनुकूल रहेगी, कार्य समय पर करें।

पेट से बाहर आ गई थी मरीज की आंतें, गैलेक्सी हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ने बचाई जान

जबलपुर, रेवांचल टाईम्स। गैलेक्सी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, उखरी रोड के चिकित्सकों ने बेहद गंभीर अवस्था में हॉस्पिटल पहुंचे एक युवक की जान बचाई। हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. विवेक गुप्ता ने बताया कि युवक जब हॉस्पिटल में भर्ती हुआ तो हमने पाया कि उसके पेट में चाकू के घाव थे, इसके चलते पेशेंट की आंतें बाहर आ गई थी, आंतों में कई छेद हो गए थे। ऐसे में मरीज में इन्फेक्शन फैलने और सेप्टिक होने का खतरा बहुत ज्यादा था। इसके साथ ही पेशेंट का बीपी काफी लो था, पल्स भी बहुत डाउन थी। ब्लीडिंग की वजह से हीमोग्लोबिन स्तर भी बहुत कम हो गया था। ऐसे में हमारे सामने एक कड़ी चुनौती थी। हमारी टीम ने अपने अनुभव का परिचय दिया। इमरजेंसी को महसूस करते हुए रात में 2 बजे से सुबह 5 बजे के बीच काफी जटिल सर्जरी करते हुए हमने आंत के करीब 10 सेंटीमीटर हिस्से को काटकर दोबारा आंत को जोड़ा। इतना ही नहीं पेशेंट की उंगलियों में भी चाकू के घाव थे। हाथो के टेंडन (जिन पर उंगलियां मूव करती हैं)भी कट गए थे। इन्हें भी ठीक किया गया। इस कारण मरीज की जान बचा ली गई ।जबलपुर निवासी पेशेंट यशु आज पूरी तरह स्वस्थ हैं, उनका इंटेस्टाइन मूवमेंट भी अच्छा है। उल्लेखनीय है कि इस केस में डॉ. विवेक गुप्ता के मार्गदर्शन में हॉस्पिटल से 2 सर्जन, एनेस्थिसिया विशेषज्ञों और ओटी स्टाफ ने ट्रीटमेंट किया।

आधार हाउसिंग फाइनेंस ने जबलपुर में घर खरीदना आसान बनाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तेज की कोशिशें

सरकार के हाउसिंग फॉर ऑल मिशन के तहत 10 से 13 जुलाई तक स्पॉट सैंक्शन कैंप का आयोजन

जबलपुर, रेवांचल टाईम्स। कम आय वर्ग के लोगों को आवास ऋण देने वाली देश की अग्रणी कंपनी आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने प्रधानमंत्री आवास योजना झ शहरी 2.0 (ढटअ -व 2.0) के तहत जन-जागरूकता अभियान के तीसरे चरण की घोषणा की है। इस चरण का विशेष उद्देश्य मध्य प्रदेश के वंचित समुदायों को घर खरीदने के लिए सक्षम बनाना है। कंपनी 10 से 13 जुलाई 2025 तक जबलपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) उत्सव और स्पॉट सैंक्शन कैंप का आयोजन करेगी। इन शिविरों के माध्यम से पहली बार घर खरीदने वालों के लिए पीएमएवाई की प्रक्रिया को और भी अधिक आसान, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जाएगा। यह पहल पहले चरण की सफलता को आगे बढ़ाते हुए शुरू की जा रही है, ताकि हर जरूरतमंद परिवार अपने घर के सपने को साकार कर सके। यह शिविर लोगों को यह समझने में मदद करेंगे कि वे होम लोन के लिए पात्र हैं या नहीं, इसके लिए कौन-कौन से दस्तावेज जरूरी हैं और उन्हें कितनी सहायता–जैसे कि 1.80 लाख रूपए तक की सब्सिडी–मिल सकती है। इसके अलावा, लोन की प्रक्रिया को तेज बनाकर उन्हें घर खरीदने के सपने के एक कदम और करीब लाया जाएगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद पात्र लोगों को मौके पर ही होम लोन की मंजूरी का पत्र दिया जाएगा। आधार हाउसिंग फाइनेंस पहली बार घर खरीदने वाले कम आय वर्ग के ग्राहकों को उनका खुद का घर दिलाने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। आमतौर पर 10 से 13 लाख रूपए के बीच मिलने वाले किफायती होम लोन के जरिए ज्यादातर ग्राहक प्रधानमंत्री आवास योजना की सब्सिडी के पात्र बन जाते हैं। हाल ही में क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी स्कीम के पुनः आरंभ होने से होम लोन और सस्ते हो गए हैं, जिससे मासिक किश्तें कम हो जाती हैं। यह खासतौर पर छोटे शहरों और उभरते इलाकों में लाभकारी साबित हो रहा है, जहां घरों की कीमतें अपेक्षाकृत कम हैं और सरकारी सब्सिडी का असर ज्यादा होता है। आसान और तेज पुनर्भुगतान प्रक्रिया के जरिए, आधार का लक्ष्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों को घर के मालिक बनने की एक सुरक्षित और सहज राह देना है।

Aadhar Housing Finance Ltd
GHAR BANEGA, TOH DESH BANEGA.

आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी और सीईओ ऋषि आनंद ने कहा, आधार हाउसिंग फाइनेंस में हमारा उद्देश्य हमेशा से भारत के वंचित परिवारों के घर खरीदने के सपने को साकार करना रहा है। सरकार द्वारा किफायती आवास को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री आवास योजना ब्याज सब्सिडी योजना के दोबारा शुरू होने के साथ, हमारे पास पहली बार घर खरीदने वाले और भी अधिक ग्राहकों तक पहुंचने का बड़ा अवसर है। स्पॉट सैंक्शन कैंप्स के जरिए–खासकर उभरते बाजारों में–हम सरल पहुंच, जागरूकता बढ़ाने और सपनों का घर पाने की राह को तेज और आसान बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। आधार हाउसिंग फाइनेंस फिलहाल देशभर के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 545 ज़िलों में फैली अपनी 580 से अधिक शाखाओं के जरिए करीब 3 लाख सक्रिय ग्राहकों को सेवाएं दे रहा है।

मैकडॉनल्ड्स ने जबलपुर में नया रेस्टोरेंट खोला, मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति मजबूत की

जबलपुर, रेवांचल टाईम्स। मध्य प्रदेश में नया रेस्टोरेंट खोलते हुए मैकडॉनल्ड्स इंडिया (नॉर्थ एंड ईस्ट) ने मध्य भारत के सबसे ऐतिहासिक एवं जीवंत शहरों में शुमार जबलपुर के लोगों के लिए अपना आइकॉनिक ग्लोबल मेन्यू पेश किया है। इस नए रेस्टोरेंट के साथ शहर के लोग विश्व स्तरीय डाइनिंग का अनुभव ले सकेंगे। यह रेस्टोरेंट केए मॉल में खोला गया है, जिससे अब मैकडॉनल्ड्स ब्रांड शहर के लोगों के और भी करीब आ गया है। नए रेस्टोरेंट की लॉन्चिंग ने मध्य प्रदेश में मैकडॉनल्ड्स के विस्तार में एक और कड़ी जोड़ दी है। इससे पहले भोपाल और ग्वालियर में मैकडॉनल्ड्स के रेस्टोरेंट हैं। जबलपुर में नए रेस्टोरेंट के माध्यम से स्थानीय लोग अब एक आसान लोकेशन पर मैकडॉनल्ड्स की अपनी पसंदीदा मील्स का आनंद ले सकेंगे। मैकडॉनल्ड्स का हर नया रेस्टोरेंट समाकालीन डिजाइन का होता है, जिसमें वैश्विक डिजाइन से प्रेरित डेकोर, स्टाइलिश फर्नीचर और एक जिंदादिल माहौल उनका स्वागत करता है। यहां 117 लोगों के बैठने की क्षमता है और यह रेस्टोरेंट कुल 3,228 वर्ग फीट में बना है। यहां डाइन-इन और टेक-अवे दोनों विकल्प उपलब्ध होंगे।

बॉलीवुड सिंगर शरद को भा गया ओशो होम आश्रम

जबलपुर, रेवांचल टाईम्स। गामापा फेम शरद शर्मा अपने मुंबई के साथियों संग गत दिवस भेड़ाघाट स्थित ओशो होम आश्रम पहुंचे। जहां आश्रम के संचालक स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने कलाकारों का स्वागत किया। उन्होंने गायक शरद शर्मा को ओशो की पुस्तक भेंट की। स्वामी श्रीला प्रेम पारस ने बताया कि बॉलीवुड के कलाकारों को मां नर्मदा के घाटों पर बहुत सुकून व आनंद की प्राप्ति हो रही है। विगत कुछ वर्षों में पद्मविभूषण पं. हरी प्रसाद चौरसिया, प्रख्यात लेखक संदीप नाथ, गिरीश विश्वा, ड्रमण शिवमणि जैसे कलाकार ओशो होम आश्रम पहुंचे हैं। ओशो की नगरी में उन्होंने आध्यात्मिक ऊर्जा को महसूस किया है। उनका कहना है कि जिस तरह बॉलीवुड के महान कलाकार यहां ओशो साधना में लीन हो रहे हैं, उसी तरह संस्कारधानीवासी भी ओशो के विचारों, ऊर्जा को यहां आकर महसूस कर सकते हैं। मां नर्मदा के किनारे बना यह आश्रम ध्यान साधना का एक अद्भुत केंद्र है, जहां कण कण में बस ओशो का आनंद है, आनंद में ओशो हैं। स्वामी प्रेम पारस ने बताया कि शरद शर्मा व साथियों को संगमरमरीवादियां भी खूब पसंद आईं।

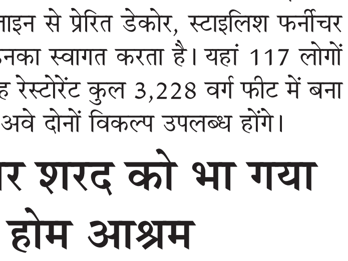

टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस को भारत एनसीएपी के तहत 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग मिली

जबलपुर रेवांचल टाईम्स।सुरक्षा के प्रति टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की अडिग प्रतिबद्धता के एक महत्वपूर्ण प्रमाण के रूप में, बहुप्रशंसित इनोवा हाईक्रॉस को भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम (भारत एनसीएपी) के तहत 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग दी गई है। यह भारत की सबसे व्यापक वाहन सुरक्षा मूल्यांकन संरचना है। इस उपलब्धि से अपने मूल्यवान ग्राहकों को हमेशा सुरक्षित मोबिलिटी समाधान प्रदान करने की कंपनी की अटूट और अंतर्निहित चाहत का पता चलता है। वयस्क और बच्चे - दोनों तरह के सवारों की सुरक्षा के लिए 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग प्राप्त हुई है।

इससे पहले आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कॉरपोरेट मामले एवं गवर्नेंस के कंट्री हेड एवं ईवीपी श्री विक्रम गुलाटी और सीसीओ, एसवीपी एवं राज्य मामलों के प्रमुख श्री सुदीप दलवी को प्रमाण पत्र सौंपा। टोयोटा न्यू ग्लोबल आर्किटेक्चर (टीएनजीए) प्लैटफॉर्म पर निर्मित, इनोवा हाईक्रॉस को दुर्घटना सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है। अपनी ठोस आर्किटेक्चर के अलावा, हाईक्रॉस सक्रिय और निष्क्रिय सुरक्षा सुविधाओं की एक श्रृंखला से सुसज्जित है जो इसे उद्योग में सबसे सुरक्षित वाहनों में से एक बनाती है।

ग्राम पंचायत देवगांव में गुरुवार को होगा लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन

जनता के बीच पहुंच कर समस्याएं जानने और निराकरण की कलेक्टर यादव की अभिनव पहल

कलेक्टर ग्राम पंचायत स्तर पर पहुंच कर सुन रहें जनता की समस्याएं

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जनपद पंचायत रीठी के ग्राम पंचायत देवगांव में गुरुवार 10 जुलाई को शाम 5 बजे से आयोजित लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में कलेक्टर दिलीप कुमार यादव शिरकत करेंगे। कलेक्टर यादव ने जनता के बीच पहुंच कर, उनसे जनसंवाद कर, शिकायतों और उनकी स्थानीय समस्याओं को जानने की अभिनव और संवेदनशील पहल की है। बताते चलें कि लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम में मिलने वाली समस्याओं और शिकायतों के हर आवेदनों पर हुई कार्रवाई की समय-सीमा बैठक में कलेक्टर यादव स्वयं समीक्षा करते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित कर रखा है कि जनोन्मुखी और जवाबदेह प्रशासन के साथ जनसमस्याओं के निराकरण में पूरी संवेदनशीलता बरती जाए। समस्या लेकर यहां आने वाले सभी व्यक्ति निराकरण की उम्मीद से आते हैं, ऐसे में उनके दुख -दर्द का नियमानुसार निपटारा करना अधिकारियों का नैतिक दायित्व है।

यहां होगा लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम

जारी कार्यक्रम के अनुसार गुरूवार 10 जुलाई को जनपद पंचायत रीठी के ग्राम पंचायत देवगांव में लोक सुनवाई का आयोजन होगा। इसके अलावा गुरुवार 17 जुलाई को जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के ग्राम पंचायत कचनारी में और गुरुवार 24 जुलाई को जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत गैरतलाई में लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसी प्रकार गुरुवार 31 जुलाई को जनपद पंचायत बहोरीबंद के ग्राम पंचायत जुजावल मे, गुरुवार 7 अगस्त को जनपद पंचायत बड़वारा के ग्राम पंचायत खितौली में, गुरुवार 14 अगस्त को जनपद पंचायत कटनी के ग्राम पंचायत हरदुआ कुडो में तथा गुरुवार 21 अगस्त को जनपद पंचायत रीठी के ग्राम पंचायत घुघरा में और गुरुवार 28 अगस्त को जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ के ग्राम पंचायत सिंनगौड़ी में लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम होगा। लोक सुनवाई सह जनसंवाद कार्यक्रम के सभी आयोजन शाम 5 बजे से निर्धारित तिथि और स्थान पर होगा।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों की कृषकों के लिए समसामयिक सलाह

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। सिवनी विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा सलाह दी जाती है कि वर्तमान समय में लगातार वर्षा के कारण खरीफ की फसल जैसे मक्का, सोयाबीन, अरहर में विशेष रूप से ध्यान रखने की जरूरत है, लगातार वर्षा के दौरान पानी का भराव ना हो। मक्के को जिन किसान भाइयों ने उन्नत तकनीक जैसे की रेज्ड बेड प्लांटर मशीन से (मेड व गहरी नाली पद्धति) द्वारा मक्का दलहन व तिलहन फसलों की बुवाई की है। इस विधि से अत्यधिक वर्षा होने पर नालियों से वर्षा जल बाहर निकल जाता है और फसलों को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचती है। अतः किसान भाई उन्नत तकनीक के द्वारा अत्यधिक वर्षा काल में भी बेहतर फसल प्राप्त कर सकते हैं, जिन किसान भाइयों की धान की नर्सरी 20 से 25 दिन की हो गई हो तो तैयार खेतों में धान की रोपाई वर्षा कम होने पर करें पंक्ति से पंक्ति की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर रखें धान के खेतों की मेडो को मजबूत बनाए। जिससे वर्षा का ज्यादा से ज्यादा पानी खेत में संचित हो सके वर्षा कम होने पर धान की नर्सरी में यदि पौधों का रंग पीला पड़ रहा है, तो इसमें लोह तत्व की कमी हो सकती है पौधों की ऊपरी पत्तियां यदि पीले और नीचे की हरी हो तो यह लोह तत्व की कमी दशार्ता है। इसके लिए किसान भाई 0.5% फेरस सल्फेट+ 0.25% चुने के घोल का छिड़काव करें, जिन किसान भाइयों की मिर्च, बैगन की नर्सरी तैयार है वह मौसम की अनुसार वर्षा कम होने पर रोपाई करें। अतःकिसान भाई ध्यान रखें की नालियों के बीच पानी भरा ना रहे सतत जल निकास होता रहे।जब तक मौसम स्थिर न हो जाए, बुवाई या कीटनाशक/ खरपतवारनासी दवा का छिड़काव ना करें। खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें, नालियों, मेंड़ों और निकास रास्तों को साफ रखें। यदि बहाव का जोखिम अधिक हो, तो धान की नर्सरी को पॉलीथीन या शेड नेट से ढक दें। बीज, उर्वरक और औजारों को ऊँचाई पर, जलरोधक स्थानों में रखें , सब्जियों की फसलों को सहारा देने के लिए बाँस या जाल से मजबूत स्टेकिंग करे, जलभराव वाले खेतों में मशीनरी का उपयोग न करें। पशुओं को खुर घाव (फुट रॉट) और सांस संबंधी संक्रमणों से बचाने के लिए टीकाकरण या उपचार कराएं (यदि आवश्यक हो), पशुओं को घर के अंदर या मजबूत शेड में रखें, बिजली चमकने या तेज हवा के दौरान पशुओं को चराने न ले जाएँ।किसान भाई वर्षा काल के दौरान किसी भी प्रकार की बिजली उपकरणों एवं खंभों को न छुए।

बहोरीबंद के कुआं गांव में इमली का पेड़ गिरने से घायल 5 व्यक्तियों का उपचार जारी

सूचना मिलते ही कलेक्टर यादव ने एसडीएम बहोरीबंद को मौके पर भेजा

जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। विकासखंड बहोरीबंद के ग्राम पंचायत कुआं में आंधी बारिश की वजह से बुधवार की सुबह करीब 9 बजे अचानक बीच सड़क में गिरे पुराने इमली के पेड़ से 5 व्यक्ति घायल हो गए। जिला प्रशासन की तत्परता और त्वरित कार्रवाई की वजह से तत्काल सभी को अस्पताल भेजा गया। जहां शासकीय स्वास्थ्य केंद्र बहोरीबंद में घायलों का उपचार किया जा रहा है। साथ ही आवागमन सुगम और सुचारू बनाने पेड़ को सड़क से हटा दिया गया। इमली के पेड़ गिरने और लोगों के घायल होने की सूचना मिलते ही कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव ने तत्काल मौके पर एसडीएम बहोरीबंद श्री राकेश कुमार चौरसिया को भेजा। जहां पहुंच कर श्री चौरसिया ने घायलों को अस्पताल पहुंचवाया। इसके बाद इमली के पेड़ को हटाने की कार्यवाही की गई और रास्ते से इमली के पेड़ को हटाकर यातायात सुगम और निर्बाध शुरू कराया गया। मौके पर मौजूद एसडीएम ने बताया की घायलों में कुआं निवासी 50 वर्षीय कालू राम गुप्ता व 21 वर्षीय रोहित गुप्ता, ग्राम भखरवारा निवासी 45 वर्षीय नन्हे लाल एवं 40 वर्षीय अर्जुन यादव और ग्राम किरहाई पिपरिया निवासी 42 वर्षीय मोहम्मद साकिर शामिल हैं। इनमें दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। कालू राम को गंभीर चोट की वजह से सिहोरा अस्पताल ले जाया गया था। जहां से एमआईआर के लिए जबलपुर रेफर किया गया है। इमली के पेड़ गिरने की वजह से बिजली के 5 खंभे टूट गये थे। जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी। लेकिन कलेक्टर श्री यादव के निर्देश पर इमली के पेड़ हटाने के बाद तत्काल ही टूटे हुए खंभों की जगह नये खंभे लगाये गए और विद्युत लाइनों के मरम्मत का कार्य शुरू कर जल्दी ही सुगम विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई।

संभावित बाढ़, जलभराव एवं विषाक्त गैस जैसे जोखिमों से बचाव हेतु करें समन्वित कार्रवाई

कटनी। मानसून सत्र के दौरान अत्यधिक वर्षा से बाढ़, जलभराव, डैमों, नदी-नालों का ऊफान एवं अन्य आकस्मिक आपदाओं की आशंका की संभावना के चलते इन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने हेतु कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने समन्वित पूर्व-प्रबंधन की आवश्यकता अनुसार प्राकृतिक आपदाओं के अतिरिक्त स्थानीय स्तर पर अन्य जैविक, रासायनिक जोखिम से संभावित जनहानि से बचाव हेतु अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी दिशा-निर्देश के अनुसार आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभागों के मध्य समन्वय के लिये अपर कलेक्टर साधना परस्ते को नोडल अधिकारी को बनाया गया है। जो समस्त तैयारियों, अभ्यासों एवं आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की निगरानी करेंगी। कलेक्टर यादव ने पुलिस अधीक्षक, अपर जिला दण्डाधिकारी, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), आयुक्त नगर पालिक निगम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी एवं समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को राज्य शासन के निर्देशनुसार संयुक्त कार्ययोजना तैयार कर संयुक्त माक ड्रिल करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जिले में मौजूद सभी कुंए, सेप्टिक टैंक, बोरवेल, ड्रेनेज आदि की सुरक्षा व्यवस्था पुनः जांच करने तथा स्थानीय निकायों एवं जनप्रतिनिधियों की मदद से जन-जागरूकता अभियान चलाकर जनसमुदाय को ऐसे खतरों एवं जोखिमों से सतर्क करने के निर्देशित किया है। निर्देश में जनसंचार माध्यमों (लाउड स्पीकर, व्हाटस एप्प ग्रुप, मुनादी, स्थानीय चैनल आदि द्वारा तत्काल सूचना साझा करने की जिम्मेदारी समस्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), आयुक्त नगर पालिक निगम कटनी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वाथ्य अधिकारी समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को दी गई हैं। कलेक्टर यादव द्वारा जिले में कृषि विभाग, पुलिस विभाग, एसडीईआरएफ एवं अन्य विभागों में उपलब्ध ड्रोन के माध्यम से मैपिंग की जाने तथा आपदा की स्थिति में उपयोग में लिये जाने के निर्देश पुलिस अधीक्षक, वन विभाग, उप संचालक कृषि, जिला कमांडेंट होमगार्ड, डीईजीएम को दिये गये हैं। इन ड्रोन का उददेश्य आपदा संबंधित बचाव सामग्रियों को पीड़ितों को उपलब्ध कराना होगा। कलेक्टर यादव ने समय सीमा की बैठक में सभी अधिकारियों की उपस्थिति में आपदा प्रबंधन संबंधी सामग्री की प्रदर्शनी कराये जाने तथा उनकी उपयोगिता की जानकारी दिये जाने की जिम्मेदारी जिला कमांडेंट होमगार्ड को दिया है।

विशेष अभियान के तहत स्कूलों के माध्यम से बनेगा जाति प्रमाण पत्र

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने विशेष अभियान चलाकर वर्ष 2025-26 के शैक्षणिक सत्र में शालाओं में नवीन नामांकित छात्र-छात्राओं का जाति प्रमाण निःशुल्क बनाये जाने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर यादव के निर्देश पर स्कूलों के माध्यम से आवेदन पत्र आर्मत्रित कर लोक सेवा केन्द्रों में आवेदन जमा कर डिजिटल जाति प्रमाण पत्र जारी करने हेतु जिले में कार्य योजना तैयार की गई है। जारी कार्यजोजना के तहत बीआरसीसी सभी स्कूलों में पर्याप्त संख्या में आवेदन पत्र पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। वहीं स्कूलों के प्राचार्य या उनके द्वारा अधिकृत शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि आवेदन के सभी कॉलम भरे गये हों तथा आवेदन पत्र सुवाच्य हो। इसके अलावा आवेदन पत्र में डाईस कोड एवं हस्ताक्षर के साथ ही आवेदक के घोषणा पत्र पर भी हस्ताक्षर एवं मुहर लगाकर रजिस्टर में दर्ज करने के बाद ही बीआरसीसी कार्यालय को भेजेगें। बीआरसीसी, स्कूलों से प्राप्त आवेदनों को प्रूफ रीडिंग हेतु अनुविभागीय अधिकारी रा. के कार्यालय को भेजेगें। अनुविभागीय अधिकारी रा. द्वारा नियुक्त अधिकारी या कर्मचारी कर्मचारी द्वारा प्रूफ रीडिंग कर आवेदन आनलाईन पंजीयन करने हेतु संबंधित लोक सेवा केन्द्र प्रभारी को उपलब्ध करायेंगे। आवेदक यदि स्वयं आवेदन पंत्र में कोई गलत या अस्पष्ट जानकारी अंकित करता है या लोक सेवा केन्द्र में फीडिंग के समय कोई त्रुटि होती है और प्रमाण पत्र त्रुटिपूर्ण जारी होता है तो उसे पुनः आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा। वहीं जिन छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी रा. द्वारा निरस्त किये जाएंगे उसकी जानकारी आवेदन में अंकित मोबाइल नंबर पर एसएमएस द्वारा दी जाएगी तथा कम्प्यूटर में कारण सहित दर्ज की जाएगी। लोक सेवा केन्द्र द्वारा उसका प्रिन्ट लेकर संबंधित को अवगत कराया जाएगा। आवेदन पत्र में संबंधित छात्र-छात्रा का फोटो चिपकाया जाएगा जो सत्यापन के लिए प्रयोग में लिया जाएगा। जाति प्रमाण पत्र पर फोटो नही होगा। जाति प्रमाण पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी में अलग-अलग प्रिन्ट होगा तथा उसे अलग-अलग ही लेमिनेशन कराकर प्रदाय किया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों को भी हल्के में लेता है आदिवासी कार्य विभाग

शिकायत के 45 में दिन एक टेबल से दूसरे टेबल तक पहुंची फाइल।

अभी भी अपनों को बचाने का खेल जारी।

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। आदिवासी कार्य विभाग सिवनी की कार्यशैली जग जाहिर है जिसका अब क्या होगा यह जन चर्चा बना हुआ है आए दिन आदिवासी कार्य विभाग के नए-नए कांड सामने आते रहते हैं मगर यह कांड सिर्फ अखबार की सुर्खियां और आवेदक के आवेदन करने के बाद आवेदक की चप्पल किसने तक ही रह गए हैं अब तो शिकायत करता शिकायत करने के बाद यह तो समझ ही जाता है कि इसमें कार्यवाही तो क्या जांच भी हो जाए तो बहुत बड़ी बात होगी। ऐसा ही एक मामला लगभग दो वर्षों से आदिवासी कार्य विभाग में घूमता रहा फिर उस मामले की शिकायत सी एम हेल्पलाइन नंबर 181 पर की गई जिस पर लगभग 45 दिन तक विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई बाद में लगभग 45 दिन बाद शिकायत पर अपडेट डाली गई की प्राचार्य जे पी तिवारी के ऊपर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की गई है मतलब लगभग 45 दिन बाद एक टेबल से फाइल दूसरी टेबल तक पहुंची।अब यदि शिकायत करता यह मान ले की विभाग द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए फाइल आगे बढ़ा दी गई है और सीएम हेल्पलाइन की शिकायत को संतुष्ट होकर बंद करवा दे तो क्या विभाग उस फाइल को आगे बढ़ाएगी इस मामले में और भी अन्य चीज हैं। जिम्मेदार पद पर पदस्थ होते हुए लाभ लेने वाले शिक्षक का नाम अनुशासनात्मक कार्रवाई हेतु क्यों प्रस्तावित नहीं किया गया । जिम्मेदार पद पर पदस्थ होते हुए शासन की योजनाओं का अनुचित लाभ लेना भी क्या अनुशासनहीनता नहीं है लेकिन विभाग द्वारा सिर्फ प्राचार्य के ऊपर कार्यवाही प्रस्तावित करना कई सवाल खड़े करता है क्योंकि अपने निजी हित के लिए एक वरिष्ठ शिक्षक का लाभ लेना कक्षा शिक्षक को जानकारी में रहते हुए भी जानकारी को छुपाना इन शिक्षकों की कम ज्यादा मगर प्राचार्य के बराबर ही दोषी नजर आते हैं मगर विभाग द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया जबकि जांच रिपोर्ट में स्पष्ट लिखा हुआ है कि छात्रों को अनुचित रूप से हिंदी मीडियम के विद्यालय में अंग्रेजी माध्यम से प्रवेश दिया गया। पूर्व में भी इस मामले की शिकायत कलेक्टर कार्यालय में आवेदन दे की गई थी, जिसमें कलेक्टर कार्यालय द्वारा जांच कर कार्यवाही करने संबंधी पत्र विभाग को जारी भी किए गए थे जिस पर कार्यवाही न होने पर जनसुनवाई के माध्यम से भी आवेदन किया गया था न जाने इस मामले में ऐसा क्या है जो इतनी जगह आवेदन करने के बाद भी जांच हो जाने के बाद भी कार्यवाही करने का डर बना हुआ है।

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने की गुरु के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित

सत्य को प्रमाण की नहीं,प्रणाम की आवश्यकता है-प पू श्रीश्रीबाबाश्रीजी

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गुरूपूर्णमा पर श्रीश्री की वाणियाँ ही हमारा मार्गदर्शन करती हैं ।क्योंकि वाणियाँ सत्य है और सत्य स्वयं नहीं बदलता,वह जिसे पकड़ लेता है वह बदल जाता है ।इसलिए पथिकों और जिज्ञासुओं से परम पूज्य श्री श्री बाबा श्री जी कहते थे ध्यान रखो ,मनन करो तुमने सत्य को पकड़ा?! या सत्य ने तुम्हें पकड़ा? आगे चेतावनी देते हुए कहा यदि तुमने सत्य को पकड़ा है तो वह छूट सकता है पर यदि ,सत्य ने तुम्हें पकड़ा है तो फिर सत्य से दूर नहीं हो सकते। सत्य के बगैर कोई धर्म,धर्म नहीं हो सकता ।वैसे ही सत्य के बिना पुरूष पारस नहीं बन सकता,स्त्री का सतीत्व सत्य पर अवलंबित है 1700 से ज्यादा दिनों से माँ नर्मदा जल पर साधनारत परम पूज्य दादा गुरू जी के सत्संग में उनकी वाणी है -गुरू जब सत्य के रूप में है तो जीव जगत का आधार है और जब वह तत्व के रूप में है तो वह हमारा अस्तित्व है ।काल की गणना नहीं जो काल से मंत्रणा सिखाये वह गुरू है ।सत्य गुरूवे नमः जो हमें परिवार,समाज और स्वयं काल से मंत्रणा सिखाये ,महामृत्युंज से मिलाये वह गुरू कहलाये ।हर काल में जीना सिखाये वह गुरू है ।अपने जीवन को निर्विकार सत्य पथ पर चलने के लिए संकल्पित हों तो वह सबसे अच्छा और इसके लिए,अपने मै को ,गुरू चरणों में अर्पित कर दो ।यदि ऐसा न कर सको तो ,जो गुरूसत्ता सत्य की प्रस्तुति कर रही है और परमसत्ता की अभिव्यक्ति दे रही है उस गुरू सत्ता के लिए सब अर्पित,तेरा तुझको अर्पण । सत्य हमें स्वीकार कर ले इसके लिए हमें ही पात्रता सिद्ध करनी होगी,पात्रता का यह मार्ग और उस पर चलने की परीक्षा के लिए लिए भौतिक सामर्थ्य से अधिक जरूरी है अंतर्मन की शुद्धि और सत्य के साथ खड़े होने का साहस और संकल्प ।तो सत्य हमारा हाथ थाम लेगा,यह पात्रता शिष्य को ही साबित करनी होती है ।महान ग्रन्थ और संहिता सौन्दर्य लहरी में आद्य शंकराचार्य जी गुरू शिष्य के संबंध को अनुग्रह का संबंध कहते हैं ,उस अनुग्रह में गुरू का अनुग्रह नहीं है सिर्फ.शिष्य का अनुग्रह ही पूर्ण होने का उल्लेख है ।यदि शिष्य का अनुग्रह पूर्ण न हो तो वह गुरू बदल सकता है ।इसी प्रकार परम पूज्य श्री श्री बाबा श्री जी कहते हैं निर्विकार पथपंथ नहीं है यह पथ है ।इससे अच्छा पथ मिले तो चले जाना जागो और जगागो,निर्विकार हो शांति पाओ ॥ पूज्य श्री श्री की वाणी है-सत्य अभिनय नहीं करता,सत्य निर्णय करता है । मैंने निर्विकार पथ के पथिक के रूप में जितना भी चैतन्यतापूर्ण जीवन जिया और जो सत्संग से मिला उसे ही शब्दों के रूप में लौटाने और प्रस्तुत करने की कोशिश है ।परम पूज्य श्री श्री बाबा श्री जी की वाणी है-सत्य प्रस्तुति के लिए है स्तुति के लिए नहीं ।जब पथ पर चलते चलते मै दुविधाग्रस्त हो रहा था तब सलाखो के बीच से कान पकड़कर ,चपत लगाकर,ठहाके लगाते मुझे कहा सत्य को प्रमाण की नहीं,प्रणाम की आवश्यकता है ।हम गुरूचरणों में पूर्ण समर्पण नहीं कर पाते,कुछ हद तक अभिनय ज्यादा होता है,कुछ लालच,लाभ और स्वार्थ होते हैं जो हमारे विश्वास को जगह नहीं मिलने देता तभी श्री श्री की वाणी स्मरण आती है विश्वास होता नहीं है किया जाता है ।आज गुरूपूर्णिमा पर विश्वास के साथ समर्पण का संकल्प पूरा करें । पथिक डॉं एडीएन वाजपेयी के दोहे के साथ गुरू पूर्णिमा की शुभकामनाएँ । बादल गुरू घन ज्ञान का लिए झूमता जाये । है सुपात्रता शिष्य की,खींचे ,पिये ,अघाये ॥

क्या आप दाद-खाज़, खुजली से परेशान है?

अब आपके शहर **सिवनी** में सभी प्रकार के चर्म रोगों का उपचार सुप्रसिद्ध चिकित्सक द्वारा संभव

डॉ. हेमलता चांचरिया
BHMS, PGDCC, Cosmetologist
चर्म, केश, सौन्दर्य चिकित्सक

माह के दूसरे एवं चौथे बुधवार
सुबह 11 बजे से 2 बजे तक

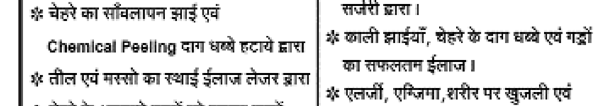

दाद (दराद) खाज खुजली का ईलाज

- कील मुहाँसे का सफलतम ईलाज
- चेहरे का साँवलापन झाई एवं Chemical Peeling दाग धब्बे हटाये द्वारा
- तील एवं मस्सो का स्थाई ईलाज लेजर द्वारा
- चेहरे के अनचाहे बालों को हटाना बालों का झड़ना समय से पहले बाल सफेद होना गंजेपन का ईलाज (पी.आर.पी.) द्वारा
- सफेद दाग का सफल ईलाज दवाई एवं सर्जरी द्वारा।
- काली झाईयाँ, चेहरे के दाग धब्बे एवं गड्ढों का सफलतम ईलाज।
- एलर्जी, एग्जिमा,शरीर पर खुजली एवं सोरायसिस का सफल इलाज
- चेहरे के गड्ढे झुरियां एवं दाग का सफल ईलाज दवाई एवं Dermaroller द्वारा

रेवा फार्मेसी
पताः बरघट रोड़, गणेश चौक, सिवनी
Mob: 96696 52061, 88393 10065

बिजली कंपनियों में 50 हजार पदों पर भर्ती होगी

एमपी में 35 लाख किसानों का 84 करोड़ रुपए सिंचाई टैक्स ब्याज और पेनल्टी माफ

भोपाल। मोहन यादव कैबिनेट ने पूर्व, मध्य और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनियों में 49 हजार 263 नए पदों को मंजूरी दी है। इस फैसले के बाद तीनों कंपनियों में नियमित पदों की संख्या 77,298 हो जाएगी। इससे कंपनियों के काम और पावर डिस्ट्रीब्यूशन में सुधार आएगा, तो संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों की संख्या घटेगी। कैबिनेट ने 35 लाख किसानों की 84.17 करोड़ रुपए सिंचाई जलकर ब्याज एवं पेनल्टी माफ कर दी है। सरकार किसानों से उड़द और मूंग खरीदने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेगी। केंद्र ने अभी कम मात्रा में खरीदी की मंजूरी दी थी, जिसे बढ़वाया जाएगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम राजेंद्र कुमार शुक्ल ने बताया कि मोहन सरकार ने राजधानी के होटल लेक व्यू रेसीडेंसी को डिजाइन करने और निर्माण के साथ उसके संचालन, हस्तांतरण के आधार पर पीपीपी मोड पर सौंपने को मंजूरी पहले ही दी थी। अब यह तय किया गया है कि लीज के पंजीयन और स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति विभागीय बजट से की जाएगी। निवेश संवर्धन के लिए यह तय किया गया है कि जो भी डेवलपर आएगा उसे प्रतिपूर्ति की सुविधा दी जाएगी।

35 लाख किसानों का राहत

प्रदेश के 35 लाख किसानों पर कृषि सिंचाई जलकर के ब्याज और पेनाल्टी का 84.17 करोड़ रुपए बकाया है। जल संसाधन विभाग लगातार तकादा लगा रहा था। अब सरकार ने तय किया है कि किसानों से यह राशि नहीं ली जाएगी। कैबिनेट ने राशि माफ करने की मंजूरी दे दी है। यह योजना वर्ष 2026 तक रहेगी और सभी किसानों को एक साल में मूलधन की राशि जमा करने का मौका मिलेगा।

कैंपा फंड में मिले 1478 करोड़, नए कामों को मंजूरी

वन विभाग की प्रतिकरात्मक वन रोपण निधि (कैंपा फंड) की वार्षिक कार्ययोजना को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है। कैबिनेट ने 1478.38 करोड़ रुपए सहित कैंपा फंड से किए जाने वाले कार्यों को मंजूरी दी है। एमपी की वन भूमि के डायवर्जन के बाद पहले यह राशि भारत सरकार को मिलती है और बाद में केंद्र सरकार राज्य को यह राशि देती है। इस राशि से पौधरोपण, बिगड़े वनों का सुधार, नदियों के पुनर्जीवन, वन सीमा से लगे गांवों में बांस आदि पौधों का रोपण, ग्रामीणों की क्षमता विकास, नगर वनों को तैयार करने जैसे काम इस फंड से किए जा सकेंगे।

मूंग और उड़द की खरीदी के लिए केंद्र की मंजूरी कम, पत्र लिखेगी सरकार

प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की खरीदी के लिए सरकार की सिक्योरिटी, हानि की प्रतिपूर्ति और रबी सीजन 2024-25 में टारगेट से अधिक खरीदी गई ग्रीष्म कालीन मूंग की स्वीकृति पर कैबिनेट में चर्चा के बाद फैसला किया गया। इस दौरान 20 लाख टन मूंग खरीदी की संभावना है। भारत सरकार से 3.51 लाख मीट्रिक टन खरीदी की मंजूरी मिली है। कैबिनेट ने तय किया है कि भारत सरकार को पत्र लिखें कि 8.57 लाख मीट्रिक टन खरीदी की मंजूरी केंद्र की ओर से दी जाए। **मूल्य सूचकांक स्टांप अधिनियम संशोधन विधेयक मंजूर :** कैबिनेट में भारतीय स्टांप अधिनियम 1899 के अनुच्छेद 1 (क) के अंतर्गत अधिनियम के अनुच्छेदों में संशोधन के लिए भारतीय स्टांप (मध्यप्रदेश संशोधन) विधेयक 2025 को कैबिनेट मंजूरी दी गई है। मूल्य सूचकांक के इस संशोधन विधेयक से राज्य सरकार को 212 करोड़ का राजस्व मिलेगा। संशोधन को कैबिनेट ने मंजूरी दी है।

आदिवासी क्षेत्रों में 66 नए आंगनबाड़ी केंद्र मंजूर

महिला और बाल विकास विभाग में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत आदिवासी क्षेत्रों में 66 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की स्वीकृति देने और पदों की मंजूरी के साथ आंगनबाड़ी भवन बनाने को भी कैबिनेट में मंजूरी दी गई है। 66 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, 66 आंगनबाड़ी सहायिका और दो सुपरवाइजर के पदों को भी स्वीकृति दी गई। वर्ष 2025-26 से वर्ष 2028-29 के बीच इस योजना पर 19.91 करोड़ रुपए का खर्च आएगा। विधायक विजन डॉक्यूमेंट 2023 से 2028 के लिए तैयार करेंगे। इसके लिए प्रभारी मंत्री जिलों में जाकर विधायकों के साथ चर्चा करके विजन डॉक्यूमेंट तैयार कराएंगे। आने वाले अनुपूरक बजट में विकास कार्यों के लिए बजट का प्रावधान किया जाएगा। इस पर 2028 तक काम पूरा करना है।

कैबिनेट के पहले इन मुद्दों पर चर्चा

रक्षाबंधन पर 250 रुपए लाड़ली बहना योजना में अलग से दिए जाने का फैसला मुख्यमंत्री ने लिया है। इसके लिए एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों को 12 जुलाई को राशि दी जाएगी।

ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की साधिकार समिति की 63वीं बैठक में लिए गए फैसलों का कैबिनेट के समक्ष प्रजेंटेशन किया गया। दस जुलाई को गुरु पूर्णिमा के मौके पर स्कूलों और अन्य स्थानों पर कार्यक्रम होंगे। निषादराज जयंती पर सम्मेलन 10 जुलाई को होगा। मछली पालन करने वालों के लिए योजनाएं घोषित की जाएंगी। पांच करोड़ की लागत से केवट समाज प्रशिक्षण केंद्र खोला जाएगा। स्थानीय निधि संपरीक्षा (राजपत्रित) सेवा भर्ती नियम 1991 में संशोधन को भी मंजूरी देने पर चर्चा हुई।

ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली की 5 से 10 फीसदी वैरिएबल टैरिफ पर बिजली खरीदी के एग्रीमेंट्स को ओपन टेंडर के मामले में भी चर्चा की गई।

लुधियाना में 15606 करोड़ के निवेश के प्रस्ताव मिले हैं। 20 हजार 275 से अधिक को रोजगार मिलेगा।

बीआरटीएस हटने से अच्छे परिणाम सामने आए हैं। हादसे में 51 प्रतिशत की कमी आई है। 70 प्रतिशत मौतें कम हुई हैं।

13 से 19 जुलाई तक विदेश दौरे पर रहेंगे सीएम

मुख्यमंत्री 13 से 19 जुलाई तक दुबई और स्पेन का दौरा करेंगे। व्यावसायिक बैठकें, निवेश प्राप्त करना, अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच बनाने का काम होगा। साथ ही प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, वैश्विक निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। एमपी की ब्रांडिंग भी विदेशों में सीएम मोहन यादव करेंगे।

मध्यप्रदेश के 40 हजार बैंककर्मी हड़ताल पर

17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल; 8500 ब्रांच में काम पर असर

भोपाल। मध्यप्रदेश के करीब 40 हजार बैंककर्मी बुधवार को हड़ताल पर हैं। वे अपनी 17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रहे हैं। इससे प्रदेश की करीब साढ़े 8 हजार शाखाओं में कामकाज पर असर पड़ रहा है। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लाइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन एवं बैंक एम्प्लाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया ने केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का समर्थन करते हुए, बैंकिंग उद्योग एवं बैंककर्मियों की मांगों को लेकर अखिल भारतीय बैंक हड़ताल का आह्वान किया है। जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ और बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों की मांगों को लेकर यह हड़ताल है। भोपाल में गवर्नमेंट प्रेस के पास बैंककर्मी एकजुट होकर मांगों के निराकरण की मांग कर रहे हैं। इस दौरान कर्मचारी नेताओं ने बैंककर्मियों को संबोधित भी किया। केंद्रीय श्रमिक संगठनों और स्वतंत्र ट्रेड यूनियंस ने केंद्र सरकार की जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ, अपनी 17 सूत्रीय मांगों के निराकरण के लिए यह राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का आह्वान किया है। जिसमें पूरे मध्यप्रदेश के बैंककर्मी भी शामिल हैं। भोपाल में भी प्रदर्शन किया जा रहा है।

भोपाल में 400 शाखाएं, 5 हजार बैंककर्मी

राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल में सार्वजनिक, निजी, विदेशी, सहकारी एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के 40 हजार से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। इससे बैंकों का कामकाज ठप हो गया है। भोपाल में भी हड़ताल का असर देखने को मिल रहा है। यहां विभिन्न बैंकों की 400 शाखाएं हैं। जहां 5 हजार अधिकारी-कर्मचारी हड़ताल में शामिल हैं। हालांकि, बैंकें तो खुली हैं, लेकिन कामकाज नहीं हो रहा है। इस वजह से ग्राहक खासे परेशान हो रहे हैं।

इन मांगों को लेकर हड़ताल

केंद्रीय श्रमिक संगठनों की मांगों का निराकरण किया जाए।
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और बीमा कंपनियों को मजबूत करें।
बैंकों और एलआईसी में निजीकरण और विनिवेश रोकें।
बीमा क्षेत्र में 100% एफडीआई बढ़ोतरी रोका जाए।
सार्वजनिक क्षेत्र की सामान्य बीमा कंपनियों को एक इकाई के रूप में विलय करें।
पर्याप्त भर्तियां सुनिश्चित करें।
आउटसोर्सिंग और अनुबंध नौकरियों को रोकें।
एनपीएस को खत्म करें, ओपीएस को बहाल करें।
कॉर्पोरेट्स से खराब ऋण वसूलने के लिए कड़े कदम उठाएं।
आम ग्राहकों के लिए बैंकों में सेवा शुल्क कम करें।
जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लें।
प्रतिगामी श्रम संहिताओं को लागू न करें।
ट्रेड यूनियन अधिकारों का उल्लंघन न करें।
बैंक कर्मियों की लंबित मांगों का निराकरण शीघ्र करें, आदि। बैंककर्मी अपनी 17 सूत्रीय मांगों के समर्थन में हड़ताल कर रहे हैं।

प्रदेश की लाड़ली बहनों को 12 जुलाई को मिलेगी राशि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश के नवाचार को जेएनयू दिल्ली ने भी अपनाया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाड़ली बहनों के खाते में 12 जुलाई को राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले माह आने वाले रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के अतिरिक्त 250 रुपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार के एक नवाचार को दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी अपना लिया है। मध्यप्रदेश की तरह जेएनयू दिल्ली में भी कुलपति अब कुलगुरु के नाम से जाने जाएंगे। जेएनयू ने मध्यप्रदेश से प्रेरणा लेकर यह कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को है। इस दिन प्रदेश के सभी विद्यालयों एवं महाविद्यालय में दो दिवसीय गुरु पूर्णिमा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में जिले के प्रभारी मंत्री भी प्रमुखता से शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक, गुरुजन एवं साधु संतों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भोपाल शहर में (कमला नेहरू स्कूल) सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीआरटीएस हटाने से बड़े ही सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। मुख्यमंत्री ने एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि बीआरटीएस हटने से हादसों में 51 प्रतिशत और हादसों की वजह से मृत्यु में 70 प्रतिशत तक की कमी आई है। यह मध्यप्रदेश सरकार के जनहित में लिए गए निर्णयों के सुचारू क्रियान्वयन का सुखद परिणाम है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जनवरी 2024 में बीआरटीएस हटाने का निर्णय लिया था।

निषादराज सम्मेलन होंगे 12 जुलाई को

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों के समग्र कल्याण एवं सम्मान के लिए निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निषादराज जयंती 10 जुलाई को है, परंतु प्रदेश में समन्वित रूप से 12 जुलाई को निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस सम्मेलन में मत्स्य पालन क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की पारिश्रमिक दरों में वृद्धि, बोनस वितरण, उनके विश्राम के लिए जलाशयों के किनारे प्लेटफॉर्म्स की स्थापना के संबंध में प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में करीब 5 करोड़ की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

छिंदवाड़ा शहर में बसों के स्टॉपेज पूरी तरह बंद

आज से हड़ताल पर जाएंगे बस ऑपरेटर; ऑपरेटर्स बोले- बिना विकल्प के फैसला जनविरोधी

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा शहर की सीमा के भीतर अब बसें कहीं नहीं रुकेंगी। जिला प्रशासन ने परमिट शर्तों का हवाला देते हुए सभी स्टॉपेज हटा दिए हैं। अब आरटीओ और यातायात विभाग शहर के भीतर बस रुकने पर भारी जुर्माना लगा रहे हैं। इससे बस ऑपरेटर नाराज हो गए हैं और 10 जुलाई से सामूहिक हड़ताल की घोषणा कर दी है। अब तक शहर में बसें यात्रियों के इशारे पर बीच रास्ते रुक जाती थीं। लेकिन सड़क सुरक्षा समिति की बैठक और कलेक्टर के निर्देश के बाद अब ये पूरी तरह बंद कर दिया गया है। शहर के भीतर दो बस स्टैंड मौजूद हैं, लेकिन रूट पर कोई स्टॉपेज तय नहीं है।

ऑपरेटर्स बोले- बिना विकल्प तय किए स्टॉपेज हटाना गलत : सोमवार को एसोसिएशन कार्यालय में हुई बैठक में बस ऑपरेटरों ने 10 जुलाई से बसें बंद करने का ऐलान किया। एसोसिएशन संरक्षक सेवक यादव, राजेश मिगलानी, अजीत पटेल, अमरीश शुक्ला और विमल शर्मा ने कहा कि "कम से कम एक स्टॉपेज तय किया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।"

हड़ताल से आम यात्रियों को होगी परेशानी : बसों का संचालन बंद होने से स्कूल, कॉलेज और दफ्तर जाने वाले हजारों यात्रियों को दिक्कत होगी। जिले और आसपास के रूट पर बस सेवा प्रभावित होगी।

आज से बसें नहीं चलेंगी

"अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं, तो 10 जुलाई से बसें नहीं चलेंगी। यात्रियों की परेशानी की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।" प्रशासन को जल्द निकालना होगा हल अब जरूरत है कि जिला प्रशासन, यातायात विभाग और बस ऑपरेटरों के बीच बैठक कर व्यावहारिक समाधान निकाला जाए, ताकि न शहर का यातायात बिगड़े और न आमजन को दिक्कत हो।

एमपी में नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट

अगले माह रिटायर होंगे सीएस अनुराग और एसीएस कंसोटिया, राजौरा सबसे सीनियर

भोपाल। मध्यप्रदेश में रविवार रात (6 जुलाई) को 9 आईएएस अफसरों के ट्रांसफर आदेश जारी किए गए। इस फेरबदल के बाद नए मुख्य सचिव की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन और अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया अगस्त में रिटायर होने वाले हैं। ऐसे में अगर मुख्य सचिव जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता है तो सीएम सचिवालय में अपर मुख्य सचिव रहे डॉ. राजेश राजौरा सबसे सीनियर आईएएस अफसर होंगे। दूसरी ओर, राजौरा के बैच की दिल्ली में पदस्थ महिला आईएएस अलका उपाध्याय ने भी भोपाल में अपनी दिलचस्पी बढ़ा दी है।

31 अगस्त को रिटायर होंगे जैन और कंसोटिया

1989 बैच के आईएएस अधिकारी अनुराग जैन 11 अगस्त को 60 साल के हो रहे हैं। वहीं उन्हीं के बैच के एक अन्य आईएएस होम जेएन कंसोटिया 12 अगस्त को 60 साल की उम्र पूरी करेंगे। दोनों ही अधिकारियों ने 21 अगस्त 1989 को एक साथ आईएएस की नौकरी जॉइन की थी। इसलिए दोनों ही अधिकारी सर्विस रूल के हिसाब से 31 अगस्त को रिटायर होंगे।

ऐसे में एमपी के नए मुख्य सचिव के पद को लेकर भी प्रशासनिक गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है। इसे हवा तब मिली जब 6 जुलाई रविवार को सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश द्वारा अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री डॉ. राजेश राजौरा को सीएम सचिवालय से बाहर किया गया और उन्हें नर्मदा घाटी विकास विभाग का एसीएस और प्राधिकरण का उपाध्यक्ष बना दिया गया। यह विभाग पहले से राजौरा के पास है।

केंद्र की सहमति से तय होगा नया मुख्य सचिव

1 अक्टूबर 2024 को एमपी के मुख्य सचिव बने अनुराग जैन के कार्यकाल में एक्सटेंशन की चर्चा अभी सर्वाधिक है लेकिन मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं मिलता तो राजौरा की दावेदारी सबसे अधिक होगी।

जैन के सीएस बनने से पहले राजौरा का नाम फाइनल माना जा रहा था। सीएस के एक्सटेंशन का मामला केंद्र की अनुमति से ही होगा और अगर जैन को एक्सटेंशन नहीं दिया जाता है तो नए मुख्य सचिव के पद के लिए नाम भी केंद्र की सहमति से फाइनल होगा।

1990 बैच के हैं राजेश राजौरा, अलका उपाध्याय

अनुराग जैन और जेएन कंसोटिया के रिटायर होने पर प्रशासनिक मुखिया के पद के लिए एमपी कैडर के सबसे सीनियर अफसरों में 1990 बैच के डॉ. राजेश राजौरा का नाम है। इसके बाद दूसरे नंबर पर इसी बैच की अलका उपाध्याय का नाम भी है। अलका उपाध्याय वर्तमान में केंद्र में पशुपालन विभाग की सचिव के रूप में पदस्थ हैं। पिछले दो महीनों में जिस तरह से एमपी के दौरों को लेकर अलका उपाध्याय ने दिलचस्पी दिखाई है, इसके बाद यह कयास भी लगाए जा रहे हैं कि सीएस पद के लिए राजौरा की दावेदारी के साथ अलका उपाध्याय भी सक्रिय हैं। वे यहां होने वाली प्रशासनिक गतिविधियों की भी रिपोर्ट ले रही हैं।

उज्जैन संभागायुक्त 31 जुलाई को होंगे रिटायर

उधर उज्जैन संभागायुक्त और धार्मिक न्यास व धर्मस्व विभाग के विभागाध्यक्ष संजय गुप्ता इसी माह 31 जुलाई को रिटायर होने वाले हैं। गुप्ता के रिटायर होने के बाद मुख्यमंत्री के गृह जिले और संभाग में नए संभागायुक्त की पोस्टिंग की जाएगी। इसके पहले जून में सागर संभागायुक्त रिटायर हो चुके हैं जिनके स्थान पर सामान्य प्रशासन विभाग में पदस्थ सचिव अनिल सुचारी को सागर संभागायुक्त पदस्थ किया है।

नियमितिकरण और 32 हजार वेतन दिया जाए

बैतूल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने शराब दुकान हटाने की मांग,

बैतूल। बैतूल में सीटू से जुड़ी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कर्मचारी भवन में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। सीटू की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कामरेड कुन्दन राजपाल के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में कई मांगें रखी गईं। इनमें नियमितिकरण, न्यूनतम वेतन 32,000 रुपए और राजेन्द्र वार्ड स्थित आंगनवाड़ी केंद्र के पास की शराब दुकान को हटाना शामिल है। कार्यकर्ताओं ने शराब दुकान को बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए खतरा बताया।

एफआरएस प्रणाली को हटाने की मांग की : कार्यकर्ताओं ने टेक होम राशन वितरण में एफआरएस प्रणाली को हटाने की मांग की। उनका कहना है कि डिजिटल रिपोर्टिंग में तकनीकी समस्याओं के कारण कई हितग्राही पोषण आहार से वंचित रह रहे हैं। मोबाइल की खराब गुणवत्ता, नेटवर्क की कमी और ओटीपी की जटिल प्रक्रिया इसके प्रमुख कारण हैं।

आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी : ज्ञापन में 3 से 6 वर्ष के बच्चों को आंगनवाड़ी में ही पूर्व-प्राथमिक शिक्षा देने की मांग की गई। साथ ही सेवा सुरक्षा, पेंशन, ग्रेच्युटी और बुनियादी सुविधाओं जैसे पानी, बिजली, पंखे की मांग भी रखी गई। आंगनवाड़ी यूनियन ने मांगें पूरी न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। उन्होंने आबकारी अधिकारियों पर शराब ठेकेदारों से मिलीभगत का आरोप भी लगाया।

पुल-पुलियो, सड़क-मार्गों व भवनों पर रखें निगरानी: कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण संतुष्टि पूर्वक दर्ज करें। कार्यालय प्रमुखों के द्वारा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए, जिससे सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में पूर्ण हो सके। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में स्पेशल क्लोज वाले प्रकरणों का प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करें, जिससे उन प्रकरणों का समय सीमा में निपटारा हो सके। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में उक्त निर्देश दिये। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पुलियो,मार्गों एवं भवनों पर रखें नजर

कलेक्टर श्रीमती पटले ने आयोजित बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों में 50 दिवस के लंबित शिकायतों, विभागीय ग्रेडिंग तथा सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में संतुष्टिपूर्वक की गई निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने इसके बाद जिले में हुई अतिवर्षा को देखते हुए पुल-पुलियो, सड़क- मार्गों एवं भवनों की स्थिति पर निगरानी रखने के निर्देश दिये। बैठक में निर्माण एजेंसी पीडब्ल्यूडी, पीआईयू,

समय सीमा की बैठक में दिये निर्देश

पीएमजीएसवाय, पीएचई, आरईएस विभाग सहित अन्य विभागों के निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने के लिए कहा। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की क्षतिग्रस्त होने की संभावना होने पर तत्काल सूचना देने के निर्देश दिये, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न घटे। उन्होंने समस्त मैदानी अमले को अपने- अपने क्षेत्रों का भ्रमण कर अतिवर्षा के संबंध में नियमित रूप से रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिले में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों, स्कूलों, अस्पताल, पुल- पुलियो, सड़क- मार्ग इत्यादि की स्थिति पर निगरानी रखने को कहा।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का कलेक्टर ने किया भ्रमण

जिले में हुई अतिवर्षा तथा बाढ़ की स्थिति से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा हेतु कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया। इस दौरान जिले के पुल-पुलियो, क्षतिग्रस्त मार्गों, नदियों के घाटों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में आवागमन न करें, अत्याधिक आवश्यकता होने पर ही घर से बाहर निकलें। बाढ़ व पुल के ऊपर पानी होने की स्थिति में नदी- नाले पार न करें। उन्होंने मैदानी अमले को जिले में हो रही अतिवर्षा व बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिये। किसी भी प्रकार की घटना होने पर इसकी सूचना तत्काल देने को कहा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने सोमवार को जिले के धमना रोड स्थित शेढ़ नदी पुल, जैथारी- इमलिया में शक्कर नदी पुल, गाडरवारा- तेंदूखेड़ा रोड स्थित नर्मदा नदी के ककराघाट, नर्मदा नदी के बरमान घाट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के सीईओ दलीप कुमार, एसडीएम, तहसीलदार तथा विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

स्कूलों के अवकाश घोषित

कलेक्टर विद्यार्थियों को होने वाली परेशानी, जोखिम एवं विद्यार्थियों के हित को दृष्टिगत रखते हुए 9 जुलाई को जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई, नवोदय विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया है। अवकाश के कारण बाधित शैक्षणिक पाठ्यक्रम की पूर्ति एवं अन्य कार्य दिवसों में अतिरिक्त कालखंड लगाकर की जावेगी। उल्लेखनीय है कि जिले में पिछले 48 घंटे से लगातार अतिवृष्टि जारी है तथा मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। बरगी बांध के गेट खुलने की वजह से विभिन्न नदियों के तटीय क्षेत्रों के साथ- साथ पुल- पुलियों पर जल स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसी मद्देनजर कलेक्टर द्वारा यह आदेश जारी किया है।

जिले में अब तक 18.20 इंच वर्षा दर्ज

अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार नरसिंहपुर जिले में एक जून से 8 जुलाई तक की अवधि में औसत रूप से कुल 462.4 मिमी अर्थात 18.20 इंच वर्षा दर्ज की गई है। 8 जुलाई की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 116.2 मिमी अर्थात 4.57 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 154 मिमी, गाडरवारा में 188 मिमी, गोटेगांव में 61 मिमी, करेली में 105 मिमी और तेंदूखेड़ा में 73 मिमी वर्षा आंकी गई है। 8 जुलाई तक तहसील नरसिंहपुर में 498 मिमी, गाडरवारा में 533, गोटेगांव में 387 मिमी, करेली में 471 मिमी और तेंदूखेड़ा में 423 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 162 मिमी अर्थात 6.38 इंच वर्षा हुई थी।

जनसुनवाई में आये 49 आवेदन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में 49 आवेदन पत्रों की सुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में पहुंचे आवेदकों के आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण किया। जिन आवेदन पत्रों का तत्काल निराकरण नहीं हो सका, उसके लिए आवेदकों को समय सीमा दी गई है, विभागीय अधिकारियों को उक्त आवेदन पत्रों का समय सीमा में निराकरण कर आवेदक को अवगत कराना होगा। इस दौरान जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य अधिकारियों ने भी लोगों की समस्याएं सुनी व आवेदन लिए और समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिये।

समय का अर्थ होता है काल: मुनिश्री

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। समय का अभिप्राय मात्र काल नहीं होता है, समय का अर्थ काल ही होता है आत्मा सार भी होता है। समय तो मिला, लेकिन समय का सदुपयोग करना नहीं सीख पाये। क्योंकि काल व्यतीत होने के बाद सिर्फ पछतावा होता है, अब पछताये, होत का, जब चिड़िया चुग गयी खेत। समय पर किसान ने बीज बोया परंतु बाडी नहीं लगाई, ना ही रखवाली की, चिडिया बीज चुगेगी ही, घडी सुधारने वाला हर जगह मिल सकता है पर कोई समय सुधारने वाला नहीं मिलता है। एक व्यक्ति वृक्ष के नीचे बैठा था, उससे लोगों ने पूछा की भैया क्या कर रहे हो, उसने कहा कि कुछ मत पूछो, मुझे समय ने बरबाद कर दिया। अब तुम क्या कर रहे हो। अब में समय को बर्बाद कर रहा हूॅं।

उत्ताशय के विचार कंदेली स्थित जैन मंदिर जी विराजमान मुनि निर्दोष सागर जी महाराज ने अपने नियमित प्रवचन श्रृंखला में कहे। उन्होंने कहा कि क्या यह समझदारी है,कुछ लोग हैं जो समय को बर्बाद करते रहते हैं काम समझदारी से नहीं करते हैं। व्यक्ति का समय कब बदल जाये आप समझ नहीं पाते हैं। क्योंकि किसी ने उसे देखा नहीं है,जिसकी पैदाइश की खुशियों से आकाश गुंजित हो रहा था, थोडी देर बाद देखा कि वहां हा-हा कार मची है। कब किसका समय बदल जाये, वह समय पर आता है प्रत्येक कार्य समय से होता है समय के पहले या समय के बाद नहीं होता है। हर कार्य समय पर होना आवश्यक है, क्या आप घर के मुखिया होकर धर्मनिष्ठ, परिवार निष्ठ, न्यायप्रिय, कर्मठ इन सभी गुणों से परिपूर्ण हो, घर के मुखिया का वृक्ष के समान व्यवहार होना चाहिए,वृक्ष की जडे जमीन के अंदर रह कर वृक्ष के प्रत्येक अंग पत्ते, डाली, पूल को रस भेजते हैं यदि वृक्ष के जिस अंग को रस नहीं भेजा जाता है तो वह अंग वृक्ष का सूख जाता है प्रत्येक अंग को रस मिलता है तो वृक्ष पूल व पल देता है क्या आप अपने वंश वृक्ष को वृक्ष की तरह पालन पोषण करते हो, प्रत्येक सपल व्यक्ति, प्रत्येक व्यक्ति को खुश कर सकता है तो वह सपल व्यक्ति है व्यक्ति मकान तो बनाता है पर किसी के दिल पर मकान बनाकर देखो,स्वयं को हार कर या झुक कर, किसी को जिता देना भी एक कला है यदि गघरे को चोट लग जाये तो चोट को बाहर से ठीक करोगे या अंदर से चोट को ठीक करोगे।

बाढ़ पीड़ितों को वितरित किया भोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। बीत दिनों से जिले मे हो रही वारिश के चलते कई स्थानों पर पानी भर गया जिससे जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया। इसी क्रम में जिले के साईखेंड़ा के वार्ड क्रमांक 11 में विंध्यवासिनी माइनिंग वर्क एलएलपी द्वारा बाढ़ पीड़ितों को भोजन वितरित किया गया। ज्ञात हो कि माइनिंग कंपनी द्वारा जिले मे अनेकों अवसरों पर पीड़ित मानवता के लिए हमेशा तत्परता से कार्य किया जाता है।

अस्पताल से मां की छुट्टी मिलने के पहले ही मिलेगा जन्म प्रमाण पत्र

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। अब अस्पताल से मां की छुट्टी होने से पहले ही नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा। यह निर्देश मध्यप्रदेश के मुख्य रजिस्ट्रार (जन्म- मृत्यु) एवं आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी ॠषि गर्ग ने संबंधित अधिकारियों को दिये हैं। आयुक्त श्री गर्ग ने कहा कि जन्म प्रमाण पत्र एक बेहद जरूरी दस्तावेज है। इसे आसानी से उपलब्ध कराने के लिए राज्य शासन के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने दिशा निर्देश जारी किये हैं। इसके अनुसार अस्पताल में ही शिशु का जन्म प्रमाण पत्र बनाकर मां को छुट्टी के पहले दे दिया जाये। उक्त जानकारी जिला रजिस्ट्रार (जन्म- मृत्यु) एवं जिला योजना अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा किया गया वृक्षारोपण

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक बहिष्कार और ग्राहक अधिकारों पर दी गई जागरूकता अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, द्वारा सोमवार को एक विशेष वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन युवा मोर्चा के पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष सौरभ जैन के निवास पर किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जबलपुर के संगठन मंत्री बृजेश जैन ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पर्यावरण संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम, तथा ग्राहक अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। हमारे संगठन का उद्देश्य सिर्फ उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करना नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण जैसे जरूरी विषयों पर भी समाज को जागरूक करना है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त भारत की दिशा में हमारे द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस आयोजन में प्रमुख रूप से सौरभ जैन, अंकेश अग्रवाल, प्रखर दुबे, सतीश दुबे, मनोज साहू, पूरनलाल, मनीष ठाकुर की उपस्थिति रही

प्रजापति समाज की बैठक सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। गत दिवस महाराजा दक्ष प्रजापति की जयंती को लेकर प्रजापति समाज की बैठक श्री शंकर मंदिर में संपन्न हुई। इस बैठक में अनेक विषयों पर चर्चा करते हुए कमलेश प्रजापति को प्रजापति समाज का सर्वसम्मति से सरपंच नियुक्त किया गया। साथ ही 18 जुलाई को दोपहर 1 बजे से महाराजा दक्ष महाराज की जयंती बड़े पुल के समीप शंकर मंदिर में मनाई जावेगी बैठक में मेधावी छात्रों का सम्मान 60 साल से ऊपर वरिष्टों का सम्मान भंडारा प्रसादी जैसे कार्यक्रमों पर सहमति सभी ने दी।

प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु आवेदन की अंतिम तिथि आज

दैनिक रेवांचल टाइम्स नरसिंहपुर। वर्ष 2025- 26 में आकांक्षा योजना अंतर्गत जिले के कक्षा 10 वीं में अध्ययनरत एवं उत्तीर्ण अनुसूचित जनजाति वर्ग के इच्छुक विद्यार्थी जेईई, नीट एवं सीएलएटी की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए एमपी टास्क पोर्टल के माध्यम से 9 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग नरसिंहपुर ने दी है।

खेल-व्यापार

दिल्ली में ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने पुराने वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध को स्थगित करने की सराहना की

नई दिल्ली। दिल्ली में ईंधन खुदरा विक्रेताओं के संगठन डीपीडीए ने मंगलवार को पुराने वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध को एक नवंबर तक स्थगित करने के फैसले की सराहना की। वायु गुणवत्ता पर केंद्र सरकार की एक समिति ने मंगलवार को मियाद खत्म होने (ईओएल) के करीब पहुंच चुके या पुराने हो चुके वाहनों पर ईंधन प्रतिबंध आगे बढ़ाने का फैसला किया था। ईओएल के तहत 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहन और 15 साल

से अधिक पुराने पेट्रोल वाहन आते हैं। दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन (डीपीडीए) ने इस फैसले की सराहना की और कहा कि इससे उन्हें तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल गया है। डीपीडीए के अध्यक्ष निश्चल सिंघानिया ने कहा कि फैसले को टालने से सरकार को तकनीकी मुद्दों को हल करने और पेट्रोल पंप पर परीक्षण अनुपालन करने का मौका मिलेगा। इससे पहले जारी निर्देशों के अनुसार किसी भी राज्य में पंजीकृत पुराने वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाना था।

भारतीय मूल के सबीह खान एपल में COO बने

वॉशिंगटन। एपल ने भारतीय मूल के सबीह खान को कंपनी का नया चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (उडड) बनाया है। वो इस महीने के अंत में जेफ विलियम्स की जगह लेंगे। जेफ 2015 से इस पद पर हैं। सबीह ने मुरादाबाद जैसे छोटे शहर से निकलकर टेक्नोलॉजी की दुनिया में ये मुकाम हासिल किया है। 2019 में वो एपल के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट ऑफ ऑपरेशंस बने थे। सबीह खान गूगल के उएड सुंदर पिचाई और माइक्रोसॉफ्ट के उएड सत्या नडेला जैसे भारतीय मूल के उन ग्लोबल लीडर्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। एपल के उएड टिम कुक ने कहा, "सबीह एक शानदार स्ट्रैटजिस्ट हैं, जिन्होंने एपल की सप्लाई चेन को बनाने में अहम रोल निभाया है। वो दिल से लीडरशिप करते हैं और अपने मूल्यों के साथ काम करते हैं। मुझे यकीन है कि वो एक बेहतरीन उडड साबित होंगे।"

क्या ब्रैडमैन का रिकॉर्ड तोड़ेंगे शुभमन

नई दिल्ली। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल इंग्लैंड में इतिहास रचने के करीब हैं। वे 2 ही टेस्ट में 3 शतक लगाकर 585 रन बना चुके हैं। 3 टेस्ट में 390 रन और बनाते ही शुभमन एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन जाएंगे। इस मामले में वे ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज डोनाल्ड ब्रैडमैन का 95 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वहीं शुभमन को एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाला भारतीय भी बन सकते हैं। इस मामले में वे सुनील गावस्कर का 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ेंगे। इतना ही नहीं, वे इंग्लैंड में एक सीरीज में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय भी बन सकते हैं।

जमानत मिलने के बाद रेसलर सुशील कुमार रेलवे ड्यूटी पर लौटे, हाई-प्रोफाइल हत्या मामले में काट रहे सजा

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक मेडल विजेता रेसलर सुशील कुमार रेसलर सागर धनकर हत्या मामले में पिछले कई समय से न्यायिक हिरासत में थे। हाल ही में उन्हें कोर्ट ने जमानत दी थी, जिसके बाद वह आधिकारिक तौर पर उत्तर रेलवे में अपनी ड्यूटी फिर से लौट आए हैं। सूत्रों ने आईएएनएस को इसकी पुष्टि की है। रेलवे सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि वर्तमान में उत्तर रेलवे में सीनियर कमर्शियल मैनेजर के पद पर नियुक्त सुशील कुमार फॉर्मल ड्रेस में नौकरी पर आए। अधिकारियों ने उनकी बहाली की पुष्टि करते हुए कहा कि ये प्रक्रिया सर्विस नियमों के अनुसार की गई। सुशील कुमार साथी पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के सिलसिले में 2021 में न्यायिक हिरासत में थे। दिल्ली हाई कोर्ट ने हाल ही में मुकदमे की प्रक्रिया में लंबी देरी का हवाला देते हुए पहलवान को जमानत दी थी। हालांकि, अभी सुशील कुमार की कानूनी लड़ाई खत्म नहीं हुई है, इसमें जांच जारी है।

बता दें कि, 42 वर्षीय सुशील कुमार ने अपने खेल के दम पर पूरे भारत में अपनी खास पहचान बनाई, उन्होंने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक और इससे पहले 2008 बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

बैठकों तक सिमटी जिम्मेदारियां: कब होगी बड़ी कार्रवाई?

"दैनिक रेवांचल टाइम्स की खबरों से मचा हड़कंप: बैठकें तो हुईं, बड़ी कार्रवाई अब भी बाकी"

"कब बनेगा उदाहरण? अस्पतालों की मनमानी पर बैठकों से आगे क्यों नहीं बढ़ पा रहा प्रशासन?"

जबलपुर में प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी पर चुप्पी क्यों?

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। अतुल कुमार

जबलपुर शहर में प्राइवेट अस्पतालों की अव्यवस्थाओं पर जिला प्रशासन, नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग और सीएमएचओ सिर्फ औपचारिकताएं निभाते दिख रहे हैं। एक के बाद एक बैठकें होती हैं, फाइलों में कार्रवाई के कागज सिमट जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर न तो अस्पतालों की मनमानी पर लगाम लगती है, न ही जनता को राहत मिलती है। सवाल यह उठता है कि कब होगी ऐसी ठोस कार्रवाई जो बाकी अस्पतालों के लिए एक नजीर बने?

अस्पतालों में नहीं मानकों की परवाह

शहर के कई प्राइवेट अस्पताल अग्नि सुरक्षा मानकों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। फायर एग्जिट की कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं, पार्किंग की जगह पर मरीजों और उनके परिजनों को वाहन खड़ा करने की अनुमति नहीं, और संकरी गलियों में बने ये अस्पताल कभी भी बड़ी दुर्घटना को दावत दे सकते हैं। फायर ब्रिगेड या एम्बुलेंस जैसे आपातकालीन वाहन वहां समय पर पहुंच ही नहीं सकते।

कागजों में कार्रवाई, जमीनी हकीकत में शून्य

स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम लगातार बैठकों की औपचारिकता निभा रहे हैं। सीएमएचओ और अन्य अधिकारी बड़ी-बड़ी बातें तो करते हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ नोटिस जारी कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है। आखिर क्यों नहीं होती वो बड़ी कार्रवाई जिसकी जरूरत है? कौन लोग हैं जो इन अस्पतालों को नियमों से खिलवाड़ करने की छूट दे रहे हैं?

किसकी है जिम्मेदारी? कौन उठाएगा जवाबदेही?

हर बार एक बड़ी घटना का इंतजार क्यों किया जाता है? जब हादसा होता है, तब जिम्मेदार कौन होगा? प्रशासन और विभाग के अधिकारी यह स्पष्ट क्यों नहीं करते कि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में दोषियों पर क्या कार्रवाई होगी? जनता पूछ रही है कि आखिर सरकार और प्रशासन कब जागेंगे?

सेटिंग–गेटिंग या लापरवाही?

सूत्रों की मानें तो कई बार अस्पताल संचालकों और अधिकारियों के बीच अंदरखाने सेटिंग हो जाती है, जिससे कार्रवाई की आंच अस्पताल प्रबंधन तक पहुंच ही नहीं पाती। अगर ऐसा नहीं है, तो फिर आखिर क्यों नहीं बन पा रही कोई मिसाल? क्यों नहीं हो रही ऐसी सख्त कार्रवाई कि बाकी अस्पताल संचालक भी सबक लें?

जनता की माँग: अब हो ठोस एक्शन

शहर की जनता की यही मांग है कि जिला प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग अब बैठकों से आगे बढ़ें और ऐसी कड़ी कार्रवाई करें, जिससे अस्पतालों में नियमों का पालन अनिवार्य हो। वरना वह दिन दूर नहीं जब एक बड़ी दुर्घटना पूरे सिस्टम की पोल खोल देगी।

देनिक रेवाचल टाइम्स
जवलपुर

ग्राम पंचायत ने दे दी अस्पताल खोलने की स्वीकृति, बिना स्वास्थ्य विभाग की अनुमूति चल रहे निजी अस्पताल

गांव-गांव में मरीजों की जान से हो रहा खिलवाड, नियमोंतो के ताक पर रख ग्राम पंचायतों ने बांटी स्विकृतनियां

ग्राम पांचारतों ने बांटी अस्पताल चलाने की अनुमति, स्वास्थ्य विभाग अधेरे में

ग्राम पंचायतो ने बाणला कि ग्राम बरगी, अधारताल, मझावगजेसे थेरों में ग्राम पचायोंको बोका अस्पताग्लोको सानचार की स्विकृति दी, जकि इन संस्थानों ने दि CMHO (मुख्य स्वास्थ्य अध्यत्मा) से कोई मजूंररी नहीं ली

बिना रजिस्ट्रेशन, बिना योगयता – चल रहे असपताल

जिन असपतालों को ग्राम पाययतों ने अनुमति दि, उमाध्य में पांजीकृत डोवटर नहीं, आगग स्ताफ नहीं, आर अनुमोदित दवाओं का स्टाक तक नही हे मरोजों से मोटी फिस वूसती जए होरे

मुहर्रम की 11 तारीख को चांदनी चौक में लगता है मासूम लंगर
70 साल से जारी है बरकत और मोहब्बत का यह सिलसिला

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर के चांदनी चौक में हर साल मुहर्रम की 11 तारीख को एक पाक परंपरा निभाई जाती है .... जिसका नाम है मासूम लंगर । यह लंगर तकरीबन 70 बरसों से लगातार मासूम लंगर कमेटी की जानिब से आम दावत के तौर पर लगाया जा रहा है, जिसमें बड़ी तादाद में लोग शरीक होकर फजीलत हासिल करते हैं। सुबह 8:30 बजे से शुरू होकर यह लंगर तब तक चलता है, जब तक आखिरी थाली तक्सीम न हो जाए। रवइ लंगर की रूहानी बुनियाद .... कर्बला का सबक मुहर्रम, हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके अहले-बैत की कुबार्नी की याद का महीना है। सन 61 हिजरी को कर्बला के तपते रेगिस्तान में इमाम हुसैन ने जुल्म के सामने सर झुकाने से इनकार करते हुए अपने जानिसारों के साथ शहादत कबूल की। कर्बला में बच्चों तक को पानी से महरूम किया गया, लेकिन इमाम हुसैन ने सब्र और उसूलों की मिसाल कायम की। उन्हीं प्यासों की याद में, आज भी लंगर और सबील लगाकर खिदमत-ए-खल्क की रिवायत निभाई जाती है। रवइ 1 किलो बिरयानी से शुरूआत, अब 250 किलो तक बरकत इस लंगर की शुरूआत बेहद सादगी से हुई थी। सिर्फ 1 किलो बिरयानी से जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह आज 250 किलो बिरयानी तक पहुंच चुका है। बरकत और मोहब्बत से भरा यह लंगर, अब एक इज्जतदार रवायत बन चुका है। रवइ ये हैं वो नाम जिनकी मेहनत से लंगर ज़िंदा है मासूम लंगर कमेटी के वो अफराद जो बरसों से बे-शोर सेवा में लगे हैं, उनके नाम हैं: हाजी इकबाल, हाजी अंबिया, मोहम्मद रिजवान अंसारी, सलीम बड्डे, बबलू अलमारी, हाफिज अनवर, मुन्ना पेंटर, बादशाह पेंटर, रमजान मामा, शहाबुद्दीन गुड्डू सहरा, बंटी भाई, अफरोज लाइट, मुनीर पान, कादिर राइन और सलीम वेल्डर। इनमें से एक भाई कहते हैं, ह्लकर्बला में भूख और प्यास पर सब्र करने वालों की याद में जब तक एक निवाला भी किसी जरूरतमंद तक पहुंचे .... यही असली अज्र है ह्व रवइ ना प्रचार, ना तामझाम .... सिर्फ खालिस नियत लंगर की सबसे बड़ी खूबी ये है कि इसमें कोई दिखावा नहीं होता। न कोई पोस्टर, न कोई सियासत। जो आता है, अदब से आता है। जो खाता है, शुक्र से खाता है। यह लंगर नहीं .... इबादत है। रवइ यह लंगर एक पैगाम है जब दिल से दिया जाए और खालिस नियत से परोसा जाए, तो हर निवाला बरकत बन जाता है। मासूम लंगर उसी पाक नियत का नाम है, जो हर साल मुहर्रम की 11 तारीख को चांदनी चौक में ज़िंदा हो जाता है .... और हमें याद दिलाता है कि हुसैनी रास्ता सिर्फ शहादत का नहीं, खिदमत का भी है।

मुहम्मद अनवार बाबू

गार्बेज प्लांट नहीं, ये हमारी सांसों पर हमला है!
अधारताल तालाब की आत्मा पर नगर निगम का बुलडोजर

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। कभी सैर-सपाटे का मुकम्मल ठिकाना, कभी सुबह की ताजगी की पहली सांस, और कभी बुजुर्गों की प्रार्थनाओं की गूंज... अधारताल तालाब सिर्फ एक जलस्त्रोत नहीं है .... ये शहर की सांस्कृतिक, प्राकृतिक और भावनात्मक धरोहर है। लेकिन अब नगर निगम ने इस तालाब की आत्मा पर ऐसा वार किया है, जिसकी गूंज आने वाले कई वर्षों तक महसूस की जाएगी। मुख्य द्वार पर कचरा डंपिंग स्टेशन? सोचिए जरा, जहां से शहर को ताजगी मिलती थी, वहां अब बदबू और जहरीला रिसाव होगा!

सवाल ये है कि किसके आदेश पर हो रहा है ये अपराध?

शहर के बीचोबीच, हजारों लोगों के दिलों में बसने वाले तालाब के ठीक सामने अगर कचरे का अड्डा बना दिया जाए .... तो इसे विकास कहें या विनाश? स्थानीय नागरिक, सामाजिक संगठन और प्रकृति प्रेमी अब चुप नहीं हैं। जय हो अधारताल विकास समिति ने इस सरकारी हठधर्मिता के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है। 9 जुलाई, सुबह 8:30 बजे अधारताल तालाब के मुख्य द्वार पर जनआक्रोश की लहर उठने वाली है। अगर आज नहीं जागे, तो कल तालाब के नाम पर सिर्फ बदबू बचेगी यह कहना है समिति अध्यक्ष और पत्रकार आशीष विश्वकर्मा का। वो सवाल पूछते हैं, जो शायद पूरे शहर के जेहन में है: नगर निगम से पूछिए .... क्या विकास का मतलब ये है कि हम अपने बच्चों को एक सड़ा हुआ तालाब सौंपें? क्या कचरे का कोई और ठिकाना नहीं बचा था, जो इस ऐतिहासिक स्थल के दरवाजे को ही चुना गया?

तालाब के पास रहने वाले लोग बताते हैं कि इस योजना से यहां की वायु गुणवत्ता बिगड़ेगी, जल प्रदूषण बढ़ेगा और जैव विविधता को नुकसान होगा। सुबह-शाम की सैर अब दम घोंटने वाली हो सकती है। इस बार विरोध केवल एक तालाब के लिए नहीं है... ये लड़ाई पूरे शहर की आत्मा के लिए है। जय हो अधारताल विकास समिति ने पूरे जबलपुरवासियों से अपील की है .... आइए, इस विरोध का हिस्सा बनिए। यह केवल अधारताल का मामला नहीं है, यह आपके अपने भविष्य की लड़ाई है। अपने बच्चों की हवा, पानी और उम्मीदें बचाने की जिम्मेदारी है। नगर निगम से बस एक सवाल है:

क्या आपकी फाइलों में शहर की आत्मा के लिए भी कोई जगह है?

रिपोर्ट आरती लोधी

शिक्षा की घंटी नहीं, अब बजता है आदेश .... अंजुमन में पढ़ाई पर गिरी गाज, अब होगी दक्षता की जांच

हम पहले भी कहते आए हैं .... अंजुमन इंग्लिश मीडियम स्कूल अब स्कूल नहीं रहा, यह एक ऐसा संस्थान बन गया है जहाँ पढ़ाई से ज्यादा वॉट्सऐप ग्रुप, शिक्षा से ज्यादा गुटबाजी, और जिम्मेदारी से ज्यादा मोबाइल चलता है। अब खबर यह है कि जिस अंजुमन की शिक्षिकाएँ किताबों की जगह रिश्तों में लिपटी हुई हैं, वहां के खिलाफ जिला शिक्षा अधिकारी जल्द ही एक्शन लेने वाले हैं। शिकायतों का असर .... कलेक्टर ने भेजा पत्र, अब होगा ह्यदक्षता परीक्षणह्ल छात्रों के परिजनों ने जब पढ़ाई की हालत देखकर कलेक्टर महोदय को शिकायत सौंपी, तो उसकी प्रतिलिपि ऊए.ड. घनश्याम सोनी तक पहुँची। सूत्रों के मुताबिक, अब शिक्षिकाओं के खिलाफ उनके विषय में दक्षता परीक्षण (ढ१ङ्मील्लू८ ळी२३) कराने का आदेश आ चुका है। कभी किताबें थामने का दम भरने वाले अब कलम की कसौटी पर रखे जाएंगे। ह्यकंफर्ट जोनह्ल में शिक्षिका, और बच्चों का भविष्य टाइम-टेबल में कटौती की बलि चढ़ा एक प्राइमरी हिंदी टीचर हैं .... जिन्हें जल्दी घर जाना होता है। उन्होंने अपना अलग "अंजुमनी आदेश" निकाल दिया .... स्कूल टाइम कम कर दिया। पहले स्कूल 7:30 से 12:15 था, अब वो चाहती हैं कि उनका क्लास 7:45 से 11:45 तक चले। यानी बच्चे क्या पढ़ेंगे, इसका निर्धारण अब किसी शिक्षिका के घरेलू कामकाज और चाय के समय से तय होगा। यह है टीचिंग फॉर कम्फर्ट....ल्लङ्ग३ कैरियर। हड़ताल की धमकी तो दी, पर कारण बताने में जबान बंद कुछ शिक्षिकाओं ने कुछ महीनों पहले हड़ताल की धमकी दी थी .... ताकि तत्कालीन प्रिंसिपल को हटाया जा सके। अब जब उन पर जांच बैठी है, और बयान दर्ज करने को कहा गया है .... तो वे ये तक नहीं बता पा रहीं कि प्रिंसिपल से दिक्कत क्या थी। क्या यह नहीं बताता कि वह पूरा ड्रामा किसी दबाव, गुट, या निजी गुस्से का हिस्सा था? रंग-छांट वाली शिक्षिका और ह्यपीली धातुह्ल का गुरूर एक शिक्षिका जिनके पास डिग्री है .... ह्यपीली धातुह्ल में लिपटी हुई। पर जब पढ़ाने की बात आती है, तो वो अपने काले कोटधारी पिता से फोन लगवाती हैं .... आदेश को रद्द करवाने के लिए। वाह री काबिलियत! डिग्री की इज्जत किताबों में होनी चाहिए, न कि टेबल के नीचे दबे रसूख में। स्पष्ट है .... अंजुमन की शिक्षिका पढ़ाई नहीं, राजनीति का पाठ पढ़ा रही हैं कोई अपने लिए टाइम बदल रही है, कोई क्लास में असली मोबाइल छिपा कर चलाती है, कोई हड़ताल की धमकी देकर मौन हो गई है, कोई डिग्री के नाम पर दबाव बना रही है। और ये सब इस समय बिना प्रिंसिपल के स्कूल में हो रहा है, जहाँ प्रभारी प्रिंसिपल सुबह इंग्लिश मीडियम, दोपहर हिंदी मीडियम, और बीच में स्कूल की परिक्रमा करते हैं .... जैसे कोई सरकारी चक्रव्यूह में फंसा अभिमन्यु। रंग-बिल्ला ग्रुप: शिक्षिकाएँ और उनकी परछाई एक शिक्षिका तो दो चेला को साथ लेकर चलती हैं .... टीचिंग कम, राजनीति ज्यादा। ये वही शिक्षिकाएँ हैं, जिनकी नजर क्लास पर कम और नेतृत्व की कुर्सी पर ज्यादा है। शायद उन्हें समझ नहीं आता कि यह कोई पंचायत का चुनाव नहीं .... यह बच्चों की जिंदगी का सवाल है। अब सवाल क्या जिला शिक्षा अधिकारी वाकई निष्पक्ष जांच करेंगे? क्या दोषी शिक्षकों को बर्खास्त किया जाएगा या फिर रिश्तेदारी और राजनीति फिर से जीत जाएगी? क्या अंजुमन में सच में कभी पढ़ाई वापस आएगी, या यह संस्थान हमेशा 'रिश्तों और रिसेप्शन' की प्रयोगशाला बना रहेगा? स्कूल को स्कूल बनने दो, अखाड़ा नहीं हम फिर दोहराते हैं .... हम किसी से नहीं डरते, सिर्फ सच सामने लाते है। डर है तो पाक परवर दिगार का। हम इस अंजुमन की अनंत गाथा लिखते रहेंगे जब तक इसमें फिर से बच्चों की मुस्कान, किताबों की खुशबू और शिक्षकों का ईमान वापस नहीं आता।

रिपोर्ट मोहम्मद अकरम अंसारी

शेष अगले अंक में...

जहां आतंक मचा रखा था,वहां हाथ जोड़कर मांगी माफी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जबलपुर के शोभापुर में रहने वाले कुख्यात बदमाश को रांझी पुलिस ने उस दौरान गिरफ्तार किया, जब वह क्षेत्र में आंतक के दम पर अवैध वसूली कर रहा था। पुलिस प्रवीण रजक को पकड़ने के बाद उस स्थान पर ले गई, जहां पर वह अपनी गुंडागर्दी के दम पर लोगों के साथ मारपीट कर अवैध वसूली किया करता था। 6 जुलाई को बदमाश प्रवीण रजक ने अपने एक साथी के साथ शोभापुर में रहने वाले निशांत सिंह के आफिस में जाकर जबरन पैसों की मांग की, और जब उन्होंने रुपए देने से इन्कार किया तो वहां पर बड़े–बड़े पत्थर पटक कर तोड़फोड़ मचा दी। बदमाश का एक साथी देबू अन्ना अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। मारपीट,अवैध वसूली, शराबखोरी सहित कई संगीन अपराधों में लिप्त 25 वर्षीय प्रवीण रजक ने शोभापुर न्यू शोभापुर में आंतक मचाकर रखा था। राह चलते लोगों के साथ मारपीट, पैसे छीन लेना, चाकू की नोक पर अवैध वसूली करना यह उसका काम हो गया था। स्थानीय लोग जब कभी इसके खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करवाते तो यह शोभापुर से फरार हो जाता।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस
हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।
प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse
मो. 9340721556,9753518166
पता–केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810
CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी–शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।
Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादक: अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN39695 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592

कमिश्नर के बंगले के लिए टेक्निकल स्कूल के खेल मैदान की दी जा रही है बलि, बंगले का निर्माण गलतः मनीष श्रीवास्तव

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष- मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि शहडोल देश का एकमात्र आदिवासी संभाग है और यहां जो भी इस उच्च अधिकारी आईएएस आते हैं ज्यादातर यहां पर अपना मनमाना रवैया अपनाते हुए कार्य करते हैं और जितनी भी कार्य अवधि में रहते हैं और यहां से चले जाते हैं, लेकिन शहडोल वासी अपने आप को लूटा महसूस करते हैं। वर्तमान में पहले से आधा एकड़ में बने आवास से सीनियर कअर कमिश्नर महोदया का मोह भंग हो गया है, उन्होंने शहडोल कमिश्नर के बंगले के लिए एक शिक्षण संस्थान के खेल मैदान की बलि दी जा रही है। मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि पहले से आधा एकड़ में बने सर्व सुविधायुक्त कमिश्नर बंगले से कमिश्नर साहिबा का मोह भंग हो गया है, अब शहडोल के कमिश्नर के लिए जो बंगला बनाया जा रहा है, वह ढाई एकड़ में बनेगा और इस बंगले को बनाने के लिए शासकीय टेक्निकल स्कूल के खेल मैदान की बलि दी जा रही है। दरअसल, जहां एक ओर सरकारें अपने खर्च को कम करने की बात कर रही हैं, मंत्रियों और अधिकारियों के बड़े खचीर्ले बंगलों को छोटा और कम जगह में बनाने की योजना चल रही है, वहीं इसके उलट शहडोल कमिश्नर के बंगले के लिए एक शिक्षण संस्थान के खेल मैदान को खत्म करना प्रशासन के अधिकारियों की मनमानी दशार्ता है, जिस पर कार्रवाई होना आवश्यक है, बल्कि इस तरह के उच्च अधिकारियों को शहडोल संभाग में रहने का कोई औचित्य नहीं है, यह अपने विकास के लिए आए हैं, शहडोल संभाग के विकास के लिए नहीं इनको तत्काल शहडोल संभाग से रवाना किया जाना आवश्यक है। मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि दुर्भाग्य तो यह है कि सत्ताधारी दल के लोग जो शहडोल के निवासी हैं वह मुंह में पट्टी लगाकर लगा कर बैठे हुए हैं, यह पार्टी के प्रति भक्ति के साथ-साथ अधिकारियों की भक्ति ज्यादा दिखाता है, भाजपाइयों का विरोध ना करना चमचागिरी मानसिकता को उजागर करता है।

सब्जी व्यापारी ने पूर्व किन्नर विधायक शबनम-मौसी पर लूटपाट का आरोप, थाना में हुई शिकायत

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। पूर्व किन्नर विधायक शबनम मौसी पर लूटपाट और मारपीट का आरोप लगा है। विवाद का एक वीडियो भी सामने आया है। विवाद को लेकर अमलाई बाबू चौक निवासी सब्जी व्यापारी राहुल कुमार सोनी ने बुधवार को चचाई थाने में शिकायत की है। हालांकि अभी केस दर्ज नहीं हुआ है। राहुल के मुताबिक, चार महीने पहले मेरे घर में बेटा हुआ है। बधाई देने शबनम मौसी अपने 8 से 10 किन्नर साथियों के साथ मेरे घर आईं। उन्होंने बधाई के रूप में 21 हजार रुपए मांगे। मेरी मां और पत्नी ने 1100 रुपए दिए। इस पर शबनम मौसी ने बद्दुआ देना शुरू कर दिया। मेरी मां से कहा- तेरा पोता नहीं रहेगा।

शिकायतकर्ता राहुल के मुताबिक मेरी पत्नी ने फोन पर मुझे इसकी जानकारी दी। मैं अनूपपुर में था। मैंने इन्हें (शबनम मौसी को) फोन लगाया। रिक्वेस्ट की कि झुमके वापस कर दो, लेकिन उनका कहना था कि बधाई के 21 हजार रुपए दे और ले जा। मैं 21 सौ रुपए देने के लिए रेडी हुआ। मैंने चचाई थाने में शिकायत की है। पुलिस से इन पर कार्रवाई करे और मेरा सामान वापस दिलाए।

मामले में शबनम मौसी का कहना है कि राहुल सोनी की 4 साल पहले शादी हुई थी। शादी में हमने बधाई मांगी थी तो 6 माह बाद 11 हजार रुपए की बधाई मिली थी। उसके बाद जब उसे लड़का हुआ तो एक बार फिर बधाई मांगने के लिए गए। शबनम मौसी देश की पहली किन्नर विधायक रह चुकी हैं। उन्होंने साल 2000 में शहडोल जिले की सोहागपुर सीट से उपचुनाव जीता था। ये सीट तत्कालीन कांग्रेस विधायक रहे कृष्णपाल सिंह की मौत के बाद खाली हुई थी। शबनम ने भाजपा के लल्लू सिंह को 17 हजार 800 से ज्यादा वोटों से हराया था। हालांकि, साल 2003 के विधानसभा चुनाव में उन्हें केवल 1400 वोट मिले और वह बुरी तरह हारी थीं।

नाले मे नहाने गए तीन भाईयों की डूबकर हुई मौत, गांव में मातम का माहौल

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रोहनियां मे नाले मे नहाते समय तीन भाईयों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों मे साहिल यादव 09 तथा शौर्य यादव 07 पिता बृजेश यादव तथा उनका चचेरा भाई शिवम यादव पिता शिवलाल यादव 10 शामिल हैं। सभी मृतक ग्राम रोहनिया केरहाई टोला थाना सोहागपुर के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक तीनों बालक स्कूल से घर वापस लौटे थे। उस दौरान उनके माता-पिता खेत मे काम कर रहे थे। जिसका फायदा उठाते हुए बच्चे समीप स्थित एक नाले मे नहाने चले गये। बताया गया है कि नाले के पास गांव का एक और बालक पहले से मौजूद था। जिसने उन तीनों को गहरा पानी होने की बात कह कर नहाने से मना किया, परंतु उन्होने उसकी बात नहीं मानी। थोड़ी ही देर मे वे पानी के अंदर समा गये। तीनो को डूबता देख बालक दौड़ता हुआ गांव पहुंचा और लोगों की इसकी जानकारी दी। जब तक ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तीनों डूब चुके थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर शवों को नाले से निकलवाया और उन्हे पीएम के लिये रवाना किया। इस भीषण दुर्घटना से पूरे गांव मे मातम पसर गया है। थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि इस मामले मे मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

जंगल में जुआ खेल रहे पांच जुआरी गिरफ्तार, 5 लाख का सामान सहित 14 बाइक जप्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के बुढार थाना क्षेत्र के छादा जंगल में जुआ खेल रहे जुआरियों को बुढार पुलिस ने गिरफ्तार कर नगद रुपए एवम एक दर्जन से अधिक बाइक जप्त कर कार्यवाही को अंजाम दिया है। कई दिनों से यहां जुआ फड़ संचालित हो रहा था, लोगों की सूचना पर पुलिस ने कार्यवाही की है। पांच जुआरियों के कब्जे से 3250 नगद रुपए बरामद हुए है।कुल मशरूका की कीमत पांच लाख से अधिक है।

बुढार पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र के छादा जंगल में स्थित तालाब के समीप आम के पेड़ के नीचे ताश के पत्तों में लोग हार जीत का दाव लग रहे थे, कई दिनों से जुआरी इस क्षेत्र में फंड संचालित किए हुए थे। स्थानीय लोगों ने मंगलवार पुलिस को सूचना दी थी,

जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने चारो तरफ से घेरा बंदी कर जुआरियों को पकड़ा है। थाना प्रभारी ने कहा कि कुछ जुआरी भागने में सफल रहे, लेकिन पांच को हमारी टीम ने गिरफ्तार कर लिए है। पकड़े गए जुआरियों में आशीष शर्मा पिता शिव प्रसाद शर्मा (27)बरतरा ,मोहमद तनवीर पिता अय्यार वार्ड 21 शहडोल,राकेश पटेल पिता रघु पटेल कंचनपुर,सुदीप जैसवाल पिता विनोद जायसवाल जमुई,रोशन लोधी पिता विष्णु लोधी जमुई शामिल है।

पकड़े गए जुआरियों के कब्जे से पुलिस ने 3250 रुपए नगद जप्त किए हैं,एवं मौके से 14 मोटरसाइकिल भी पुलिस ने बरामद की है। जिसकी कुल कीमत पांच लाख 50 हजार है।पुलिस के अनुसार दो दर्जन से अधिक लोग एक साथ बैठकर जुआ खेल रहे थे।पुलिस को देखकर अन्य जुआरी भाग गए हैं। पुलिस ने पांचों जुआरियों को थाने लाया है,मोटरसाइकिल को पुलिस ने जप्त कर लिया है।आरोपियों के विरुद्ध कई धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है,इस कार्यवाही में थाना प्रभारी के साथ सहायक उप निरीक्षक राजा भैया बागरी प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र एवम अन्य पुलिस कर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

पवित्र नगरी अमरकंटक में गुरु पूर्णिमा पर आश्रमों में भक्तिपूर्वक होगा गुरु पूजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न आश्रमों में शिष्यों एवं भक्त श्रद्धालुओं द्वारा परंपरागत धार्मिक विधि-विधान से गुरु पूजन एवं पादुका पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर नगर में व्यापक तैयारियां की गई हैं तथा विभिन्न आश्रमों में भक्तों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। कल्याण सेवा आश्रम में आश्रम प्रमुख तपस्वी बाबा कल्याण दास महाराज अपने शिष्यों के बीच उपस्थित रहेंगे। दूर-दराज से शिष्य एवं श्रद्धालु आश्रम में पहुंचना प्रारंभ कर

चुके हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन प्रातःकाल पादुका पूजन एवं गुरु पूजन के साथ विशाल भंडारा (प्रसादी) का आयोजन होगा। शांति कुटी आश्रम में 4 जुलाई से सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा प्रारंभ हो चुकी है, जिसका वाचन पं. श्रीकांत शास्त्री कर रहे हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन आश्रम परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मार्कंडेय आश्रम में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णानंद महाराज के शिष्यों एवं भक्तों द्वारा गुरु पूजन एवं पादुका पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर भोजन प्रसादी भी कराई जाएगी। नगर परिषद कार्यालय के समीप लगे विशाल पंडाल में राष्ट्र संत परम पूज्य चिन्मयानंद बापू जी का गुरु पूर्णिमा महोत्सव 10 जुलाई, गुरुवार को आयोजित होगा। इस अवसर पर प्रातःकाल से पादुका पूजन, गुरु पूजन एवं दीक्षा कार्यक्रम होंगे। यहां सात दिवसीय संगीत मय शिव महापुराण कथा का आयोजन चल रहा है, जिसके यजमान छत्तीसगढ़ मस्तूरी निवासी किशोर तिवारी एवं किरण तिवारी सपत्नीक हैं। गौरतलब है कि आषाढ़ मास की पूर्णिमा को मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा पर अमरकंटक के विभिन्न आश्रमों एवं स्थलों पर भक्ति, साधना और अध्यात्म से जुड़ी विशेष धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कार्यालय का सामान चोरी करते रंगे हाथ पकड़ाया शासकीय कर्मचारी, थाने में हुई शिकायत

अभी तक नही हुई कोई कार्यवाही

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद जिम्मेदार कर्मचारी निजी लाभ के लिए नियमों को ताक पर रखने से नहीं चूक रहे। जिले की जयसिंहनगर नगर परिषद में सामने आए ताजा मामले ने सरकारी तंत्र की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यहाँ परिषद कार्यालय से दो दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी स्वयं चोर बन बैठे और कार्यालय में रखे सामान को चोरी करने की योजना बनाकर छुट्टी के दिन उसे अंजाम देने पहुंचे। सीएमओ द्वारा जयसिंहनगर थाना में दी गई शिकायत के अनुसार शनिवार को दोपहर करीब 2 बजे बसंतलाल यादव और घुरसेन सिंह बिना किसी अनुमति के नगर परिषद में रखे हैंडपंप उपयोग हेतु लिंक रॉड एवं अन्य सामान को एक बिना नंबर की ऑटो में लादकर ले जा रहे थे। उसी समय एक स्थानीय लोगों की सूचना पर सीएमओ के निर्देशन में नपा परिषद के कर्मचारियों ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया गया। मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई है।

दोनों कर्मचारियों की इतनी मजाल नही कि वे किसी भी अधिकारी की शह के बिना सामग्री उठाकर बाहर ले जाएं। जानकारों के अनुसार नगर परिषद के जल शाखा सहित अन्य शाखाओं के प्रभारी लंबे समय से बिना निगरानी के अपने मनमर्जी के तर्ज पर अपने कार्यों को चला रहे है, जिसमें आए दिन सामग्री की निकासी हो रही है, लेकिन सामग्री के उपयोग का उल्लेख किसी पंजी में नहीं है। यह भी संदेह जताया जा रहा है कि चोरी का यह मामला सिर्फ एक उदाहरण है यदि प्रभारियों द्वारा कराए गए कार्यों के सामग्रियों की जांच की जाए तो कई सामग्रियों की अनुउपयोगिता सामने आ सकती है। बताया जा रहा है कि चोरी किया गया लिंक रॉड एवं अन्य सामान नगर की ही एक निजी दुकान में बेचे जाने की मंशा थी।

शिकायत के बाद भी दोनों आरोपी कर्मचारी अभी भी नगर परिषद कार्यालय में ड्यूटी कर रहे हैं। सीएमओ द्वारा नोटिस तो दिया गया और विभागीय कार्रवाई की शुरूआत तेजी से नहीं कि जा रही है। संभवतः स्थानीय कई नेताओं का दबाव इस कार्रवाई में बाधक बन रहा है। ऐसे में आम जनता का भरोसा सरकारी संस्थानों से उठना स्वाभाविक है। नगर परिषद में हुए इस प्रकरण ने साफ कर दिया है कि अब खुद शासकीय कार्यालय भी सुरक्षित नहीं हैं।

इनका कहना है

दोनों कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है मगर जवाब प्राप्त नही हुआ है, दूसरी नोटिस जारी की जा रही है। कार्य में कर्मचारी अनुपस्थित है, जब तक संतोषजनक जवाब नहीं मिलेगा कार्य पर नहीं रखा जायेगा, जल्द की कार्यमुक्त की कार्रवाई की जाएगी।

सचिन कचेर सीएमओ, नगर परिषद जयसिंहनगर

थाने में सूचना प्राप्त हुई है, जांच कर जल्द एफआईआर दर्ज की जाएगी।

अजय बैगा थाना प्रभारी, जयसिंहनगर

नर भालू का मिला शव, आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत की आशंका, जांच शुरू

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के वनपरिक्षेत्र अमझोर अंतर्गत वनसुकली में एक नर भालू की मृत अवस्था में मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंच गया और भालू के शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल, भालू की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन प्रारंभिक जांच में आकाशीय बिजली के चपेट में आने का संदेह व्यक्त किया जा रहा है। वनसुकली बीट के राजस्व क्षेत्र में स्थानीय निवासियों ने भालू के शव को देखा और इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। मौके पर पहुंचे वन परिक्षेत्र अधिकारी तरुणेन्द्र सिंह ने बताया कि भालू के शव को कब्जे में लेकर डॉग स्क्वॉड की मदद से आस-पास सर्चिंग कराई गई है। भालू के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं और शिकार के कोई निशान नहीं मिले हैं। इस घटना ने वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण के मुद्दे को एक बार फिर से सामने ला दिया है। अमझोर वन मंडल की टीम ने यह सुनिश्चित किया है कि भालू के शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा, जिससे मौत के सही कारणों का पता लगाया जा सके। तरुणेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि प्रारंभिक जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि भालू बिजली गिरने से मारा गया हो, लेकिन पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट होगा। ब्यौहारी के गोदवाल वन परिक्षेत्र में बीते दिनो भालू की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया था। वह घटना को एक माह भी नहीं बीते अब दूसरे भालू की मौत ने वन विभाग की गस्त पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

माता-पिता के साथ खेत गई 4 वर्षीय मासूम बालिका की कुँए में गिरने से हुई मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। जिले के जैतपुर के बिरौड़ी में 4 साल की पारुल अगरिया की कुएं में डूबने से मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब उसके माता-पिता खेत में काम कर रहे थे और बच्ची पास में ही खेल रही थी। खेलते-खेलते पारुल अचानक कुएं में गिर गई, जिससे उसकी जान चली गई। पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब पारुल के माता-पिता खेत में रोपाई कर रहे थे। उनका ध्यान बच्ची पर था, लेकिन खेलते हुए वह कुएं के नजदीक पहुंच गई और उसमें गिर गई। कुएं से तेज आवाज सुनकर माता-पिता और आस-पास के अन्य लोग दौड़े, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस ने बताया कि जब तक पारुल को कुएं से बाहर निकाला गया, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कहा कि यह एक बेहद दुखद घटना है। हम मामले की जांच कर रहे हैं। इस हादसे ने बिरौड़ी गांव में शोक का माहौल बना दिया है। पारुल के माता-पिता गहरे सदमे में हैं। पारुल की मां ने कहा, हमने कभी नहीं सोचा था कि खेलते-खेलते हमारी बेटी हमें छोड़ देगी। इस घटना ने हमारी जिंदगी को हमेशा के लिए बदल दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 12 जुलाई को लाडली बहनों के खाते में राशि अंतरित करेंगे

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लाडली बहनों के खाते में 12 जुलाई को राशि अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले माह अगस्त में रक्षाबंधन के अवसर पर लाड़ली बहना योजना के तहत वर्तमान में दी जा रही मासिक आर्थिक सहायता राशि के साथ 250 रूपए की विशेष सहायता राशि भी अंतरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की करीब 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

12 जुलाई को निषादराज सम्मेलन का होगा आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन के क्षेत्र में कार्यरत सभी व्यक्तियों के समग्र कल्याण एवं सम्मान के लिए निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निषादराज जयंती 10 जुलाई को है, परंतु प्रदेश में समन्वित रूप से 12 जुलाई को निषादराज सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। इस सम्मेलन में मत्स्य पालन क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों की पारिश्रमिक दरों में वृद्धि, बोनस वितरण, उनके विश्राम के लिए जलाशयों के किनारे प्लेटफॉर्म्स की स्थापना के संबंध में प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में करीब 5 करोड़ की लागत से आधुनिक केवट प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

अमानक उर्वरक के क्रय विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया, सावरी समिति का एसएसपी उर्वरक का लॉट अमानक पाया गया

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। उपसंचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी फूलसिंह मालवीय ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित सावरी में भण्डारित सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक का नमूना प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए जाने पर उसके क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। खैरलांजी तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित सावरी में भण्डारित सिंगल सुपर फास्फेट उर्वरक के बैच क्रमांक बीजी-02 का नमूना 17 जून को प्रयोगशाला जांच के लिए एकत्र किया गया था। उर्वरक गुण नियंत्रण प्रयोगशाला द्वारा जांच में यह नमूना अमानक पाया गया है। जिसके कारण बैच क्रमांक बीजी-02 के अमानक उर्वरक के क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर प्रतिबंध लगा दिया गया है

कमिश्नर धनंजय सिंह ने वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा

जल गंगा संवर्धन अभियान में बालाघाट जिला प्रदेश में तृतीय स्थान पर

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। जबलपुर संभाग के कमिश्नर धनंजय सिंह ने 09 जुलाई को वीडियों कान्फ्रेंस के माध्यम से संभाग के सभी जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की। इसमें बालाघाट एनआईसी वीडियो कान्फ्रेंस रूम से कलेक्टर मृणाल मीणा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे एवं अन्य अधिकारी जुड़े थे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीणा ने बताया कि आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों के निराकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में सातवें स्थान पर है।

आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज कोई भी प्रकरण तीन माह से अधिक का लंबित नहीं है। जिले में विवादित सीमांकन, नामांकन एवं बटवारा के प्रकरणों को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में प्राकृतिक आपदा से राहत का कोई प्रकरण लंबित नही है। 01 जून से 09 जुलाई तक जिले में 37 प्रतिशत वर्षा हो चुकी है। पिछले दिनों हुई अतिवर्षा में 44 मकान क्षतिग्रस्त हुए है और 20 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराया गया था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सड़को के 03 पुल-पुलिया एवं 01 सड़क अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त हुए है। 09 जुलाई को वर्षा नही होने के कारण नदी नालो से बाढ़ का पानी उतरने लग गया है।

सीएम हेल्पलाईन प्रकरणों के निराकरण में बालाघाट जिला प्रदेश में बी गेड में है और सातवें स्थान पर है। ई-ऑफिस में बालाघाट जिले में अच्छा काम चल रहा है और फाईले ई-ऑफिस के द्वारा निराकृत की जा रही है। खाद्य बीज के मामले में जिले में 01 एफआईआर दर्ज की गई है। जिले को 05 हजार मीट्रिक टन मिश्रित उर्वरक की आवश्यकता है। जिले में अनुकम्पा नियुक्ति के 08 प्रकरण लंबित है जो पद नहीं होने के कारण लंबित है। गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा आंगनवाड़ी के बच्चों को 83 प्रतिशत टीएचआर का वितरण हो गया है। पोषण ट्रेकर एप्प के आधार पर जिले में 100 प्रतिशत आंगनवाड़ी खुल रही है और संचालित हो रही है। पोषण पुनर्वास केंद्रो के बेड 108 प्रतिशत भरे है। जिले में निःशुल्क पाठ्यपुस्तको का 92 प्रतिशत वितरण हो गया है और कक्षा 01 से 12वीं तक के नामांकन में बालाघाट जिला प्रदेश में चौथे स्थान पर है।

कलेक्टर श्री मीणा ने बताया कि जिले में अनुसूचित जाति जनजाति के छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति स्वीकृत की जा चुकी है। अत्याचार निवारण अधिनियम के सभी प्रकरणों में सहायता राशि स्वीकृत की गई है। समग्र ईकेवायसी में बालाघाट जिला प्रदेश में अच्छी स्थिति में है। नगरीय क्षेत्र बालाघाट में समग्र ई-केवायसी का कार्य कुछ शेष रह गया है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिला प्रदेश में तृतीय स्थान पर है और मनरेगा में 67 प्रतिशत लेबर बजट व्यय किया जा चुका है।

आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास में विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में 08 जुलाई को शासकीय संयुक्त आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास बालाघाट में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपस्थित सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट सतीष शर्मा, द्वारा मध्यस्थता योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि मध्यस्थता विवादों को निपटाने की सरल एवं निष्पक्ष प्रक्रिया है, मध्यस्थ दबाव रहित वातावरण में विभिन्न पक्षो के विवादों का निपटारा कराता है। कार्यक्रम में मध्यस्थता के लाभों के बारे में बताते हुए कहा गया कि विवादों का अविलम्ब एवं शीघ्र समाधान होता है, मध्यस्थता की प्रक्रिया पूर्णतः गोपनीय होती है, सामाजिक सद्भावना कायम रखने में सहायक होता है, साथ ही श्री शर्मा ने निःषुल्क विधिक सहायता योजना एवं भारतीय संविधान में उल्लेखित मूल अधिकार एवं मूल कर्त्तव्य, पॉक्सों अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेद्य अधिनियम के संबंध में भी उपस्थित छात्रों को जानकारी दी गई।

शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती शीनी जैन द्वारा बच्चों को गुड टच बेड टच, किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी गई और न्यायालयीन प्रक्रिया से भी बच्चों को अवगत कराया गया। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे ने शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षा से व्यक्ति अपने अधिकरों और कर्त्तव्यों को समझता है अपने जीवन के प्रति जागरूक होता है और समाज में एक सक्रिय नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। शिक्षा न केवल व्यक्ति को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाती है बल्कि समाज और राष्ट्रकी उन्नति में भी अहम योगदान देती है। श्री धुर्वे ने नशे के दुष्परिणाम के बारे में जानकारी प्रदान की। शिविर के उपरांत छात्रावास परिसर में फलदार एवं छायादार पौधे भी लगाये गयें। इस अवसर पर छात्रावास का स्टॉफ एवं छात्रगण उपस्थित रहें।

बैहर एसडीएम की तत्परता से बना जोहना बाई का जन्म प्रमाण

अब सुगमता से जोहना बाई को मिलेगा वेतन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। बैहर एसडीएम श्री अर्पित गुप्ता की संवेदनशीलता एवं तत्परता से विशेष पिछड़ी जन जाति बैगा की महिला जोहना बाई को उसका जन्म प्रमाण पत्र एक दिन में बनाकर दे दिया गया है। जन्म प्रमाण पत्र मिलने से अब उसके आधार कार्ड में दर्ज जन्म तिथि में संशोधन हो सकेगा और उसे सुगमता से वेतन मिल सकेगा।

शासकीय पालीटेक्निक कालेज बालाघाट के प्राचार्य श्री आर एम सोनवे ने बताया कि बैहर तहसील के ग्राम गुराखारी की निवासी विधवा महिला जोहना बाई टेकाम की विशेष भर्ती अभियान के अंतर्गत पालीटेक्निक कालेज बालाघाट में नियुक्ति हुई थी । कक्षा 8 वीं पास जोहना बाई 01 अप्रैल 2006 से पालीटेक्निक कालेज बालाघाट में हम्माल के पद पर कार्यरत है। उसकी जन्मतिथि मार्कशीट के अनुसार सर्विस बुक में 10 मई 1970 दर्ज है परन्तु आधार कार्ड में 13 मई 1970 दर्ज है। वित्त विभाग के निर्देशानुसार आधार नंबर का समग्र में लिंकिंग अनिवार्य किया गया है। लेकिन आधार में जन्मतिथि गलत दर्ज होने से उसकी समग्र आईडी से आधार लिंक नही हो पा रहा था।जिसके कारण कोषालय से उसका वेतन आहरित नहीं हो रहा था।

आधार में जन्म तिथि सुधार के लिए जन्म प्रमाण पत्र अथवा दसवीं की अंकसूची की आवश्यक है। जोहना बाई ने जन्म प्रमाण पत्र के लिए लोकसेवा केंद्र में 11 जून 2025 को आवेदन किया था। लेकिन तकनीकी कारणों से उसका आवेदन 26 जून 2025 को आवेदन निरस्त कर दिया गया और जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाया। आधार से समग्र लिंक नहीं होने से शासन के निर्देशानुसार जोहना बाई का माह जून 25 का वेतन आहरित नहीं किया जा सका है। जिससे उसके सामने जीवन यापन के लिए आर्थिक संकट पैदा हो गया है। जोहना बाई जन्म प्रमाण पत्र नहीं बनने से मानसिक रूप से परेशान हो गई थी।

पालीटेक्निक कालेज के प्राचार्य सोनवे ने इस पर बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता से बैगा जन जाति की महिला जोहना बाई की मदद करने का अनुरोध किया था।

इस पर एसडीएम श्री गुप्ता ने संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही की और तत्परता के साथ एक दिन में जोहना बाई का जन्म प्रमाण पत्र प्रदान कर दिया गया है। जन्म प्रमाण पत्र बन जाने से अब जोहना बाई के आधार कार्ड में जन्मतिथि संशोधित हो जायेगी। जिससे उसका आधार नंबर समग्र आईडी से लिंक हो जायेगा तथा उसका माह जून 2025 का वेतन जो आधार से समग्र के लिंक नहीं होने से आहरित नहीं किया जा सका था अब उसे प्राप्त हो सकेगा। बैहर एसडीएम श्री गुप्ता की तत्परता से बैगा जनजाति की महिला जोहना बाई को बड़ी राहत मिल गई है।

आबकारी कार्यालय में मासिक किराये पर वाहन लगाने निविदा आमंत्रित

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। आबकारी विभाग बालाघाट में अपराध नियंत्रण एवं प्रवर्तन कार्य के लिए मासिक किराये पर चलाने के लिए 06 वाहनों का अनुबंध किया जाना है। इसके लिए इच्छुक वाहन मालिकों एवं फर्म से सीलबंद निविदा आम्रंत्रित की गई है। जिला आबकारी अधिकारी सुरेन्द्र कुमार उरांव ने बताया कि मासिक किराये पर वाहन लगाने के लिए सीलबंद निविदा 16 जुलाई 2025 को दोपहर 02 बजे तक जिला आबकारी कार्यालय बालाघाट में प्रस्तुत की जा सकती है। निविदा 16 जुलाई को दोपहर 03 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जायेगी। निविदा फार्म 500 रुपये नगद जमा कर जिला आबकारी कार्यालय बालाघाट से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया जा सकता है। अनुबंधित किया जाने वाला वाहन टैक्सी कोटे में पंजीकृत होना चाहिए। वाहन का अधिकतम किराया 42 हजार रुपये स्वीकृत किया जायेगा। मासिक किराये पर वाहन 17 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि के लिए लगाया जाना है। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए जिला आबकारी कार्यालय बालाघाट से सम्पर्क किया जा सकता है।

11 जुलाई से 11 अगस्त तक मनाया जायेगा विश्व जनसंख्या स्थिरता माह, 11 जुलाई को होगा विश्व जनसंख्या दिवस का आयोजन

सास-बहु सम्मेलन आयोजन के साथ नव विवाहित जोड़ो को नई पहल किट का होगा वितरण

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में 11 जुलाई से 11 अगस्त तक विश्व जनसख्या स्थिरता माह का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाएगा। इस माह के दौरान जनसामान्य को परिवार सीमित रखने के प्रति जागरूक किया जाएगा और जनसंख्या बढ़ने से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि इस अवसर पर जन जागरूकता अभियान सहित महिला - पुरुष नसबंदी केम्प आयोजित किये जाएंगे। जनसख्या स्थिरता माह की शत प्रतिशत सफलता के लिए दिशा निर्देश समस्त बी. एम. ओ.,सीएचओ, एएनएम, आशा कार्यकर्ता, आशा सुपरवाइजर और एमपीडब्लू कों दिये गए है। जनसंख्या स्थिरता माह के अवसर पर परिवार नियोजन के स्थाई साधन महिला पुरुष नसबंदी, अस्थाई साधन पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी, कंडोम वितरण, माला एन, छाया टेबलेट का वितरण केम्प लगाकर किया जाएगा। आशा व एएनएम द्वारा घर घर सर्वे कर लक्ष्य दम्पति की सूची बनाकर परिवार नियोजन के अस्थाई व स्थाई साधनों के लिए चिन्हित कर सामग्री का वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर सेक्टर और विकासखंड स्तर पर सास-बहु सम्मेलन आयोजित किये जाएंगे। आशा कार्यकर्ताओ के माध्यम से शादी के नये जोड़ो को नई पहल किट का वितरण किया जाएगा।

मतदाता सुची में नाम जोड़ने, हटाने एवं संशोधन के लिए बीएलओ को दिया जा रहा है प्रशिक्षण

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल के निर्देशानुसार जिले की छः विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों को निर्वाचक नामावली में नये नाम जोडने, मृत या बाहर जा चुके लोगो के नाम हटाने तथा गलत या त्रुटिपूर्ण नामों में संशोधन के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बीएलओ को यह प्रशिक्षण राज्य स्तरीय, जिला स्तरीय एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनरों द्वारा 07 जुलाई से दिया जा रहा है और यह प्रशिक्षण 17 जुलाई तक चलेगा। प्रशिक्षण विधानसभा मुख्यालय बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, लांजी, बैहर एवं परसवाड़ा में दिया जा रहा है।

डायरिया रोको अभियान कोसमी, जामड़ी व बम्हनगाँव में किया गया जल स्त्रोतो का क्लोरिनेशन

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। वर्षा ऋतु के दिनों में आम जन को जल जनित बीमारियों के संक्रमण से बचाने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जिले में जल स्त्रोतों के क्लोरिनेशन का कार्य किया जा रहा है।

इसी कड़ी में 09 जुलाई को जिले के किरनापुर विकासखंड के ग्राम कोसमी, जामड़ी एवं बम्हनगाँव मे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को सलाह दी गई कि जल स्त्रोतों के आसपास गंदगी ना होने दें और स्वच्छता बनाए रखें। दूषित जल के सेवन से डायरिया एवं अन्य संक्रामक बीमारियां फैलती हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की टीम द्वारा ग्रामवासियों को जल जनित बीमारियों के संक्रमण से बचने के लिए निरंतर समझाईश दी जा रही है। जिसमें विभाग द्वारा बताया जा रहा है कि हमेशा साफ व स्वच्छ जल का ही सेवन करे। अपने आस-पास आवश्यक रूप से स्वच्छता बनाए रखे। साथ ही जल स्त्रोत कुड़, तालाब व हैण्डपम्प के आस-पास भी किसी तरह की गंदगी न होने दे। मक्खी एवं मच्छर न पनपने दे।

डेंगू, मलेरिया से बचाव के लिए कूलर, गमले, पुराने टायर में पानी जमा न होने दें

दैनिक रेवांचल टाइम्स बालाघाट। वर्षाकाल में दूषित पानी, दूषित भोजन से उल्टी दस्त का प्रकोप होता है। वर्षाकाल में घरों के आसपास जमा पानी, अनुपयोगी बर्तनों, टायरों आदि में जमा पानी में मच्छर पनपते हैं। मच्छरों के पनपने से डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने का अंदेशा रहता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले की जनता से अपील की गई है कि अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखें और मच्छरों को पनपने न दें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस संबंध में दी गई सलाह में कहा गया है कि घरों में गमले, पुराने टायरों, कूलर आदि में पानी जमा न होने दें। पानी एकत्रित करने वाले बर्तनों को तीन-चार दिन के अंतराल से साफ करते रहें। कूलर, फ्रिज की आईस ट्रे एवं पानी जमा होने के अन्य संभावित स्थलों की नियमित साफ-सफाई करें। इनसे मच्छरों को पनपने का अवसर नहीं मिलेगा और डेंगू तथा मलेरिया का खतरा कम होगा। डेंगू एक मच्छर जनित बीमारी है। डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं। घरों के आसपास कूलर, पुराने टायर, टूटे बर्तनों आदि में पानी जमा न होने दें। इस संबंध में लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। यदि किसी घर में मच्छर काटने से मलेरिया का प्रकोप होता है तो उसका दूसरे स्थान पर संक्रमण नहीं होता है। लेकिन डेंगू पैदा करने वाला मच्छर एक व्यक्ति को काटने के बाद पूरे क्षेत्र में तेजी से प्रजनन करता है जिससे कई व्यक्तियों को डेंगू होने का खतरा होता है। घरों में अनुपयोगी बर्तनों में पानी भरा होने पर ही यह मच्छर प्रजनन करता है। इसका मच्छर साफ पानी में प्रजनन करता है। इसलिए घर के गमलों, पुराने टायर, पानी संचित करने के पुराने बर्तनों में पानी जमा न होने दें। इससे डेंगू का खतरा समाप्त हो जाएगा।